भारतीय संविधान करता है महिलाओं का सम्मान 4

Website:- www.Janmarg.com
TITLE CODE:- T/RJ/2024/211
e-mail :morningjanmarg@gmail.com

निष्पक्ष एवं निर्भीक दैनिक

जनमार्ग

लोकतंत्र व निष्पक्षता का मार्ग प्रातःकालीन समाचार पत्र

श्रीगंगानगर, बुधवार, 22.01.2025 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रुपये ● वर्ष : 1 ● अंक : 270 ● मो. 93526-86083, 77421-86692, 0154-2970692

तुर्किये के रिसॉर्ट में आग से 66 की मौत

जनमार्ग न्यूज

अंकारा। तुर्किये के बोलू राज्य में स्थित कार्तलकाया स्की रिसॉर्ट में मंगलवार को आग लगने से 66 लोगों की मौत हो गई। आग से घबराकर कई लोग 11वीं मंजिल से कूद पड़े। इससे कई घायल हो गए और कई की मौत हो गई। हादसे में 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक आग लगने के बाद भगदड़ मच गई थी। अधिकारियों के मुताबिक होटल में आग स्थानीय समयानुसार रात में करीब 3.30 बजे (भारतीय समय के मुताबिक मंगलवार सुबह 6 बजे) लगी थी। इसने 11 मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने की वजह का अभी तक पता नहीं चल पाया है। तुर्किये के अखबार डेली सबाह के मुताबिक कार्तलकाया स्की रिसॉर्ट एक चट्टान पर है। इसकी वजह से फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को वहां तक पहुंचने में बहुत मुश्किलें आईं और राहत कार्यों में देर हुई। बोलू के गवर्नर अब्दुल अजीज आयडिन ने बताया कि इस होटल में 234 मेहमान ठहरे हुए थे। 30 दमकल गाड़ियां और 28 एंबुलेंस मौके पर भेजी गईं। अधिकारियों ने आग पर काबू पाने के लिए 267 इमरजेंसी वर्कर्स को भी तैनात किया है।

खालिस्तानी संगठन ने ली महाकुंभ ब्लास्ट की जिम्मेदारी

» यह पीलीभीत फेक एनकाउंटर का बदला : केजेडएफ » संगठन ने ईमेल भेजकर ली जिम्मेदारी

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। प्रयागराज महाकुंभ मेले के दौरान 2 सिलेंडर ब्लास्ट की घटना की जिम्मेदारी आतंकवादी संगठन खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (जेकेएफ) ने ली है। संगठन ने इसे लेकर कुछ मीडिया संस्थानों को ई-मेल भेजी है, जिसमें कहा गया है कि यह पीलीभीत फेक एनकाउंटर का बदला है। यह ब्लास्ट ष्टरू योगी को केवल अलर्ट है। यह शुरुआत है। इस ई-मेल की सत्यता की पुष्टि दैनिक भास्कर नहीं करता है। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। आतंकी संगठन की ओर से भेजी गई ई-मेल में कहा गया है, खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स कुंभ मेले के दौरान हुए दोहरे विस्फोट की जिम्मेदारी लेता है। इसका मुख्य उद्देश्य किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं था। यह सिर्फ जोगी (यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ) और उनके कुत्ते के लिए एक चेतावनी थी। खालसा पीलीभीत फर्जी मुठभेड़ में हमारे 3 भाइयों की हत्या का बदला लेने के लिए आपके बहुत करीब है। यह अभी शुरुआत है। ई-मेल में फतेह सिंह बागी का नाम लिखा है। बता दें कि रविवार शाम करीब चार बजे शास्त्री ब्रिज के पास सेक्टर-19 में गीता प्रेस के कैंप में 2 सिलेंडर

ब्लास्ट से आग लग गई थी। इससे 180 कॉटेज जल गए थे। अफसरों के मुताबिक, गीता प्रेस की रसोई में छोटे सिलेंडर से चाय बनाते समय सिलेंडर लीक हो गया और आग लग गई। इसके बाद 2 सिलेंडर ब्लास्ट हो गए। आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की 12 गाड़ियां भेजी गई थीं, जिन्होंने आग पर एक घंटे में (शाम 5 बजे) काबू पाया। इसमें कोई जानी नुकसान नहीं हुआ था। उस समय अधिकारियों ने इसे अग्निकांड बताया था। 23 दिसंबर को यूपी के पीलीभीत में पुलिस ने तीन आतंकियों को मार गिराया था। पंजाब की एक पुलिस चौकी पर ग्रेनेड अटैक के आरोपी भागकर पीलीभीत आ गए थे। पंजाब पुलिस ने पीलीभीत पुलिस को सूचना दी थी कि ये आरोपी जिले में छिपे हुए हैं, जिसके बाद पुलिस ने नाकाबंदी और चेकिंग अभियान शुरू किया। इस दौरान आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी थी, पुलिस की जवाबी फायरिंग में तीन आतंकी मारे गए थे। इनकी पहचान जसनप्रीत सिंह, गुरविंदर सिंह और वीरेंद्र सिंह के रूप में हुई है।

राज्यपाल के विमान को नहीं मिली लैंडिंग-परमिशन

- 15 मिनट तक आसमान में चक्कर काटता रहा विमान

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के विमान की मंगलवार को जयपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग नहीं हो पाई। 15 मिनट तक विमान जयपुर के आसमान में चक्कर काटता रहा। इसके बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल यूनिट ने विमान को लैंडिंग की अनुमति दी। राज्यपाल का विमान सुरक्षित जयपुर एयरपोर्ट पर लैंड हो पाया। जानकारी अनुसार, मंगलवार को राज्यपाल हरीभाऊ बागड़े अपने स्टाफ के साथ महाराष्ट्र के हुबली से चार्टर विमान में जयपुर के लिए रवाना हुए थे। शाम करीब 4 बजकर 45

मिनट पर राज्यपाल का विमान जयपुर एयरपोर्ट पर पहुंच गया, लेकिन विमान की जयपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग नहीं हो पाई। इसकी वजह से तकरीबन 15 मिनट तक हरिभाऊ बागड़े के चार्टर विमान ने जयपुर के आसमान में ही 3 चक्कर लगाए। एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम से मिली अनुमति के बाद राज्यपाल के चार्टर विमान की जयपुर एयरपोर्ट के स्टेट हैंगर पर सफल लैंडिंग हो पाई।

फ्री बिजली लंबे समय के लिए ठीक नहीं : जोशी

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने फ्री बिजली देने वाले राज्यों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कुछ राज्य राजनीतिक कारणों से फ्री बिजली दे रहे हैं। इससे एक बड़ा आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। प्रहलाद जोशी जयपुर में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की ओर से आयोजित नवीकरणीय ऊर्जा पर क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में बोल रहे थे। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने कहा कि मैं किसी राज्य पर नहीं बोल रहा, लेकिन यह व्यवस्था लंबे समय के लिए ठीक नहीं है। हमें कोशिश करनी चाहिए कि फ्री बिजली की जगह हम उपभोक्ताओं को इस तरह सक्षम बनाएं कि वे न सिर्फ सस्ती बिजली का घर में उपयोग कर सकें। सरप्लस बिजली को ग्रिड में देकर देश की जरूरतों को भी पूरा कर सके। प्रहलाद जोशी ने कहा कि इसी बात को ध्यान में रखकर केंद्र सरकार पीएम सूर्य घर योजना लेकर आई है।

सैफ 5 दिन बाद लीलावती अस्पताल से डिस्चार्ज

जनमार्ग न्यूज

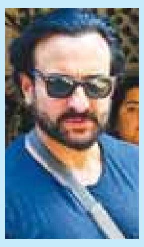

मुंबई। एक्टर सैफ अली खान को 5 दिन बाद मंगलवार को लीलावती अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। 15 जनवरी की रात करीब ढाई बजे उन पर चाकू से हमला किया गया था। सैफ के गले और रीढ़ में गंभीर चोटें आई थीं। इसके बाद सैफ ऑटो से लीलावती अस्पताल पहुंचे थे, जहां उनकी सर्जरी हुई और इलाज चला। सैफ अली खान को लीलावती अस्पताल से घर पहुंचने में करीब 15 मिनट लगे। इस दौरान वे सड़क पर लोगों का हंसकर अभिवादन करते हुए दिखे। जब वे घर पहुंचे तो खुद ही कार से उतरकर बिल्डिंग के अंदर गए। सैफ व्हाइट शर्ट, नीली जींस, काला चश्मा पहने दिखे। उनके पीठ पर पट्टी लगी दिख रही थी। उनके घर के बाहर भारी सुरक्षा व्यवस्था है। बेरिकैडिंग की गई है।

रूस से एमबीबीएस की पढ़ाई कर लौटे गौरव झोरड़

- गांव बालाराजपुरा के ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

जनमार्ग न्यूज।

बालाराजपुरा। गांव बालाराजपुरा निवासी पतराम झोरड़ के पोते व टीकूराम के पुत्र गौरव झोरड़ रूस में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर वापिस लौटे हैं। गौरव झोरड़ के विदेश से डॉक्टर बनकर गांव लौटने पर ग्रामीणों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। युवा भाजपा नेता समनदीप सिंह वडिंग ने बालाराजपुरा पहुंचकर गौरव झोरड़ से मुलाकात की तथा उज्जवल भविष्य की कामना की। गौरव झोरड़ के डॉक्टर बनने पर ग्रामीणों में खुशी की लहर है। ग्राम सेवा सहकारी समिति बालारापुरा के पूर्व अध्यक्ष जयचंद झोरड़ गौरव झोरड़ के ताऊ है। गौरव झोरड़ को बधाई देने वालों में पूर्व मंत्री व हनुमानगढ़ के पूर्व विधायक डॉ. रामप्रताप, जयदेव भिडासरा, दिलबाग रंधावा सहित क्षेत्र

के प्रबुद्ध नागरिक शामिल रहे। ज्ञात रहे कि गौरव झोरड़ ने अपनी शुरुआती पढ़ाई बालाराजपुरा से करने के बाद 10वीं व 12वीं कक्षाएं सीकर से पास की। इसके बाद गौरव ने बीकानेर से रीट कर रूस एमबीबीएस की पढ़ाई करने के लिए रवाना हुए। मैडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया में गौरव झोरड़ का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। गौरव ने जनमार्ग को बताया कि वे दिल्ली के आरएमएल हॉस्पीटल में अपनी नियमति सेवाएं शीघ्र ही शुरु करेंगे। गौरव के भाई विजेन्द्र झाझड़िया ने बधाई दी।

दो ट्रकों से टकराई कार, चालक की मौत

- अबोहर बाइपास पर गुरुद्वारा के निकट हुआ हादसा
- आगे चल रहे ट्रक से टकरा कर पीछे आ रहे ट्रक से टकराई कार

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर जिला मुख्यालय में अबोहर बाइपास पर मंगलवार दोपहर करीब 3.30 बजे कार-ट्रक की टक्कर में कार सवार 6

ई छोटी निवासी अमराराम पुत्र दानाराम की की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अबोहर बाइपास पर गुरुद्वारा के नजदीक कार (आरजे 13 सीए 6152) की ओवरटैक करने के प्रयास में आगे चल रहे ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद कार अनियंत्रित होकर पीछे आ रहे ट्रक से भी टकरा गई। राहगीरों ने तुरंत कार सवार को संभाला, परंतु तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को जिला अस्पताल पहुंचाया तथा ट्रक को अपने कब्जे लिया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि ट्रक को ओवरटेक करने के प्रयास में नियंत्रित होकर कार हादसे का शिकार हो गई, जिसे पीछे आ रहे ट्रक ने भी टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार मृतक अमराराम किसी काम से एसएसबी रोड गए थे। वहां से वापिस घर लौटते समय बाइपास पर हादसे का शिकार हो गए। मृतक के पुत्र नीरज की तरफ से ट्रक चालक पर लापरवाही से वाहन चलाने का मुकदमा दर्ज किया गया है। ट्रक ड्राइवर को पुलिस ने मौके पर काबू कर लिया।

हत्या मामले में आरोपी चाची भी गिरफ्तार

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। हनुमानगढ़ जिले के तलवाड़ा थाना क्षेत्र के गांव श्योदानपुरा में रविवार-सोमवार की रात को घर के कमरे में सोए हुए 30 वर्षीय युवक उग्रसेन जाट की तेज धार वाले हथियार से हत्या कर दिए जाने की घटना में पुलिस ने मकतूल की पत्नी एकता (28) को भी गिरफ्तार कर लिया है। उग्रसेन के रिश्ते में लगते भतीजे राजेश (23) को पुलिस ने आज अदालत में पेश किया। अदालत ने उसे पुलिस रिमांड पर भेज दिया ।एकता को कल बुधवार को अदालत में पेश किया जाएगा। उग्रसेन के बड़े भाई भीमसेन द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर एकता और अज्ञात के विरुद्ध कल सोमवार को हत्या का मामला दर्ज किया गया था, जिसमें उसने एकता पर उसके भाई यानी अपने पति की हत्या करवाने का आरोप लगाया था।

भाई को बचाते दो भाईयों डिग्गी में डूबने से मौत

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ जिले के तलवाड़ा थाना क्षेत्र के गांव डबली कलां के एक खेत में आज दोपहर डिग्गी में डूबने से दो भाइयों की मृत्यु हो गई। पुलिस के अनुसार चक 12-डीबीएल में रामप्रताप जाट के खेत में आज दोपहर कर भाई बंटी सुखदेव, सुखबीर और सीताराम काम कर रहे थे। दोपहर करीब 2 बजे बंटी खेत में ही बनी डिग्गी से पानी लेने के लिए गया था। पानी निकलते समय उसका पांव फिसल गया और डिग्गी में गिर गया। पुलिस के मुताबिक बंटी को बचाने के लिए उसके तीनों भाई- सुखदेव(18), सुखबीर(21) और सीताराम दौड़कर आए। सुखदेव और सुखबीर डिग्गी में उतर गए तथा बंटी को बचाने का प्रयास करने लगे, लेकिन बंटी खुद ही दूसरी तरफ से डिग्गी में से बाहर निकल गया। उसे बचाने उतरे सुखदेव और सुखबीर खुद बाहर नहीं निकल सके। उनकी डूबने से मृत्यु हो गई।

गड्ढे में डूबने से डेढ़ साल के मासूम की मौत

- झोपड़ी के बाहर खेलते हुए फिसल कर गिरा
- परिवार ने खोदा था गंदे पानी का गड्ढा

जनमार्ग न्यूज

अनूपगढ़। श्रीगंगानगर जिले में एक डेढ़ साल के मासूम की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। बच्चा अपनी झोपड़ी के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान बाहर बने एक पानी के गड्ढे में गिर गया। पड़ोसियों ने बच्चे के गिरते ही देख लिया, उसे तुरंत बाहर निकाल कर सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला मंगलवार दोपहर करीब 1.30 बजे, रावला मंडी के गांव 19 केडी का है। रावला थाने में

एएसआई मोहनलाल ने बताया कि रावला में ही एक ईंट भट्टे पर कुछ परिवार रहते हैं। यहां नरदेव कुमार अपनी पत्नी अनीता और बेटे शुभम के साथ यहां रहकर मजदूरी करता था। मंगलवार को नरदेव कुमार भी भट्टे पर काम कर रहा था और उसका डेढ़ साल का बेटा शुभम घर के बाहर खेल रहा था। खेलते समय वह झोपड़ी के बाहर बने गड्ढे में गिर गया। स्थानीय लोगों ने बच्चे को अचेत अवस्था में रावला के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही तहसीलदार रामस्वरूप मीना अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच में पता चला कि नरदेव ने अपनी झोपड़ी के बाहर नाली का गंदा पानी रोकने के लिए यह गड्ढा खोदा था।

नकल की तो हवालात की सेर और चक्की पीसनी पड़ेगी : आलोक राज

- भर्ती में नकल करने वालों को बोर्ड अध्यक्ष की चेतावनी

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित की जाने वाली भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थियों के ड्रेस कोड में किए गए बदलाव को लेकर विवाद शुरू हो गया है। कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा किए गए बदलाव को लेकर अभ्यर्थी सोशल मीडिया पर इसका विरोध कर रहे हैं है। वहीं, अभ्यर्थियों को बोर्ड अध्यक्ष ने फिल्मी अंदाज में चेतावनी भी जारी की है। ड्रेस कोड में किए गए संशोधन को लेकर कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष आलोक राज ने ट्वीट कर बताया उन्हें भी कर्मचारी चयन बोर्ड के अधिकारी ने कहा कि संशोधन से अभ्यर्थी अब पजामे के नाड़े में कारतूस छुपा कर लेकर

आएंगे। जिस पर उन्होंने लिखा कि मुझे नहीं लगता ऐसा होगा। अगर कोई ऐसा करने की सोच भी रहा होगा। वह यह याद रखें ऐसा करने पर उसे हवालात की सेर और चक्की पीसिंग एंड पीसिंग एंड पीसिंग करना पड़ेगा। इसके साथ ही कम से कम 10 साल हवालात में रहना पड़ेगा। दरअसल, राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने सोमवार को बोर्ड द्वारा आयोजित की जाने वाली भर्ती परीक्षा में मेटल की जीप और चैन लगे कपड़ों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया। इसके साथ ही पुरुष अभ्यर्थियों को कुर्ता और पजामा पहन भर्ती परीक्षा में शामिल होने की रियायत दी थी। इसके खिलाफ बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने विरोध शुरू कर इसमें बदलाव की मांग की थी। अध्यक्ष आलोक राज के इस ट्वीट पर कुछ अभ्यर्थियों ने जवाब देते हुए शब्दों की गरिमा का ध्यान रखने की बात कही। जबकि कुछ अभ्यर्थियों ने पत्तों से बने कपड़ों की फोटो शेयर कर ड्रेस कोड में बदलाव करने की मांग रखी। कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष आलोक राज ने कहा कि कुछ लोग पजामे के नाडे में ही नहीं बल्कि, अंडर गारमेंट्स में भी चीटिंग मटेरियल रखकर लाते हैं। वैसे भी नाड़ा तो पुरुषों के परिधान का ही हिस्सा है।

अपने आसपास की ताजा घटनाओं एवं दुर्घटनाओं की जानकारी व फोटो मो. 94140-87692, 77421-86692, 93526-86083 पर देवें। E-mail: Morningjanmarg@gmail.com

सम्पादकीय

सुनवाई हुई थी पूरी

बलात्कार के मामलों में अक्सर देखा जाता है कि दोष सिद्ध नहीं हो पाता। पीड़िता और उसका परिवार न्याय से वंचित रह जाते हैं। बलात्कार के मामलों में दोषसिद्धि की दर बहुत कम है। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ बलात्कार और फिर हत्या के मामले में अदालत ने दोषी को आजीवन करावास की सजा सुनाई है। इससे निश्चय ही पीड़ित परिवार और न्याय की मांग कर रहे लोगों को राहत मिली है। इससे बलात्कार जैसे मामलों में त्वरित सुनवाई और फैसले की उम्मीद भी जगी है। पिछले वर्ष अगस्त में अस्पताल के सम्मेलन कक्ष में प्रशिक्षु डाक्टर का शव मिला था। जांच में पता चला कि उसके साथ बलात्कार हुआ था। इसे लेकर काफी हंगामा शुरू हो गया। शुरूआती छानबीन में ही आरोपी की पहचान कर ली गई थी। फिर देश भर के डाक्टर आंदोलन पर उतर आए, अनेक शहरों में नागरिक संगठनों ने भी विरोध जताया था। कोलकाता में चिकित्सक और नागरिक लगातार इस घटना के विरोध में आंदोलन चलाते रहे। तब इस मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी गई थी। जांच में तेजी लाई गई और आरोपी के खिलाफ पुख्ता सबूत मिले। उसी आधार पर अदालत ने फैसला सुनाया है। दो महीने से भी कम समय में सुनवाई पूरी करते हुए अदालत फैसले तक पहुंच गई। इससे जाहिर है कि अगर जांच एजंसियां तत्परता दिखाएं और अदालतें बलात्कार और हत्या जैसे मामलों में संजीदगी से सुनवाई करें, तो न्याय जल्दी मिल सकता है। बलात्कार के मामलों में अक्सर देखा जाता है कि दोष सिद्ध नहीं हो पाता। पीड़िता और उसका परिवार न्याय से वंचित रह जाते हैं। बलात्कार के मामलों में दोषसिद्धि की दर बहुत कम है। इसलिए भी ऐसे अपराध करने वालों का मनोबल तोड़ना कठिन होता है। दिल्ली में निर्भया कांड के बाद महिला अपराध संबंधी कानूनों को काफी सख्त बना दिया गया। बलात्कार के मामले में जांच और सुनवाई में तेजी लाने का प्रावधान किया गया।

क्यों करोड़ों श्रद्धालु जुड़ते हैं

प्रयागराज में संगम पर महाकुंभ अपनी रौ में है। पौष पूर्णिमा पर पहला स्नान विगत 13 जनवरी को हुआ। देश के कोने-कोने से भक्त प्रयागराज आ रहे हैं। विदेशी श्रद्धालु भी बड़ी तादाद में कुंभ में स्नान करने पहुंच रहे हैं। क्या आप भी महाकुंभ में स्नान करने जाएंगे? अगर आप जा रहे हैं, तो आप अपने को भाग्यशाली मान सकते हैं। आपको यहां कई तरह के धार्मिक अनुष्ठान होते हुए दिखाई देंगे। जैसे कि यज्ञ, हवन, और कीर्तन। ये अनुष्ठान वातावरण को शुद्ध करते हैं और श्रद्धालुओं को भगवान के प्रति अपनी भक्ति व्यक्त करने का अवसर देते हैं। कुंभ मेला एक धार्मिक और आध्यात्मिक अनुभव है जो लोगों को भगवान के करीब लाता है। यह एक ऐसा समय है जब लोग अपने पापों से मुक्ति पा सकते हैं और मोक्ष की प्राप्ति कर सकते हैं। यह भारत की सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह आत्म-अनुशासन और त्याग के महत्व को दर्शाता है। यह एक ऐसा उत्सव है जो लाखों लोगों को एक साथ आने और अपनी आस्था को मजबूत करने का अवसर देता है। कुंभ मेले का आयोजन उन स्थानों पर होता है जहां पवित्र नदियों का संगम होता है, जैसे गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम प्रयाग में। अब बात प्रयागराज और कुंभ के संबंधों की भी। प्रयाग (बहु-यज्ञ स्थल) को कहा जाता है। प्राचीन काल से ही 'तीर्थराज' के रूप में प्रसिद्ध हुआ यह संगम स्थल पर हुए अनेक यज्ञों की वजह से, जिनमें पहला यज्ञ किया सृष्टिकर्ता प्रजापति ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना के तत्काल बाद। यज्ञवेदी है गंगा, यमुना और गुप्त रूप से बहने वाली सरस्वती की धारा, जो इस क्षेत्र को तीन भागों में विभाजित करती है। 'पद्म पुराण' में इसकी तुलना साक्षात सूर्य से करते हुए कहा गया है कि जहां सरस्वती, यमुना और गंगा का संगम होता है, वहां स्नान करने वाले ब्रह्मपद को प्राप्त करते हैं। यह यज्ञ की महिमा ही है, जिसके कारण मान लिया गया है, कि जो प्रयाग की धरती पर पैर भी धर लेता है, उसे हर कदम पर अश्वमेध यज्ञ का फल मिलता है। प्रयाग में लगभग 70 हजार तीर्थ उपस्थित हैं। पद्म पुराण के अनुसार अपने घर में मृत्युशय्या पर पड़ा व्यक्ति भी, यदि दूर भी रहते प्रयाग का नाम स्मरण कर ले तो ब्रह्मलोक का भागी होता है। 'मत्स्य पुराण' में कहा गया है कि युग चक्र पूर्ण होने पर जब रुद्र (शिव) पृथ्वी का विनाश करते हैं, प्रयाग तब भी नष्ट नहीं होता है, क्योंकि विष्णु वेणीमाधव, शिव अक्षय वटवृक्ष के रूप में और स्वयं ब्रह्मा छत्र में उपस्थित रहते हैं। शूलपाणि स्वयं वट की रक्षा करते हैं और यहां मृत्यु प्राप्त करने वाले को सीधे शिवलोक की प्राप्ति होती है। पुराणों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति संगम की मिट्टी का भी अपने शरीर पर स्पर्श करा लेता है, तो समस्त पापों से मुक्त हो जाता है और गंगा स्नान के बाद स्वर्ग के पुण्य का भागीदार बन जाता है। यहां यदि किसी को मृत्यु प्राप्त होती है, तो वह जन्म और मृत्यु के सांसारिक चक्र के बंधनों से मुक्त हो जाता है। कुंभ मेला लाखों- करोड़ों लोगों को एक साथ आने का अवसर देता है। यहां विभिन्न साधु-संत, नागा साधु और अन्य धार्मिक गुरुओं के दर्शन होते हैं, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ज्ञान और प्रेरणा मिलती है। यह भारत की सांस्कृतिक विविधता का एक अद्भुत उदाहरण है। यहां विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों से लोग आते हैं, जिससे विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं का संगम होता है। मेले में लोक नृत्य, संगीत, कला और शिल्प का प्रदर्शन किया जाता है, जो इसे एक रंगीन उत्सव बनाता है। अगर धर्म-कर्म स हटकर बात करें तो कुंभ मेला सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यहां सभी जाति, धर्म और वर्ग के लोग एक साथ आते हैं और मिलकर प्रार्थना करते हैं। यह एकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देता है। कुंभ मेले के पहले दिन बड़ी संख्या में सिखों ने भी स्नान किया। इसमें आने वाले लोग कई तरह के त्याग और अनुशासन का पालन करते हैं। वे साधारण जीवन जीते हैं, जमीन पर सोते हैं और सात्विक भोजन करते हैं। यह उन्हें अपने अंदर की शांति और संयम को बढ़ाने में मदद करता है। अगर आप आएंगे तो कुंभ मेला हिन्दू धर्म का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो लाखों लोगों को आध्यात्मिक शांति और आनंद प्रदान करता है। यह एक ऐसा पर्व है जो हिन्दू संस्कृति की विविधता और गहराई को दर्शाता है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, जब बृहस्पति कुंभ राशि में प्रवेश करते हैं और सूर्य मेष राशि में होते हैं, तब पूर्ण कुंभ का आयोजन होता है। यह खगोलीय संयोग इस मेले को और भी खास बना देता है। यह विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक और शांतिपूर्ण जमावड़ा होगा, जिसमें विभिन्न संस्कृतियों और पृष्ठभूमि के लोग एक साथ आते हैं। कुंभ मेला केवल एक धार्मिक आयोजन भी नहीं है, बल्कि यह एक आध्यात्मिक अनुभव भी है। यह मेला आत्म-खोज का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। देश के विभिन्न हिस्सों से लोग इसलिए भी आते हैं।

वित्तीय सुरक्षा बढ़ाएगी स्वामित्व योजना

स्वामित्व योजना एक क्रांतिकारी योजना है। यह कृषि क्षेत्र का समयानुकूल सशक्तिकरण करने का वृहद आधार बनेगी। गांवों, छोटे-छोटे नगरों एवं कस्बों में स्थानीय कृषकों और श्रमिकों के जो भी कृषि भूखण्ड व आवासीय भूमि है उसका अब तक समुचित मापन नहीं था। पीढ़ियों से लोगों के पास होने के बाद भी इनका अभिलेखीकरण नहीं किया गया था। स्वामित्व-अभिलेख की अखिल भारतीय प्रामाणिकता होने के उपरान्त ग्रामीण-जगत की संपूर्ण जीवन व्यवस्था में एक बड़ा सकारात्मक परिवर्तन आएगा। लोग अपनी भूमि और घरों के वास्तविक, प्रामाणिक व प्रलेखमूलक स्वामी / स्वामिनी होंगे। यह गांवों में वित्तीय सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम है।

वर्ष 2020 के उत्तरार्द्ध में प्रारंभ हुई भू-स्वामित्व व भू-अधिकार योजना के सुनियोजित क्रियान्वयन के क्रम में 18 जनवरी 2025 को प्रधानमंत्री ने लगभग 65 लाख की संख्या में स्वामित्व संपत्ति कार्ड वितरित किए। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने इस क्रांतिकारी योजना के तात्कालिक एवं दूरगामी लाभों के बारे में बताया। प्रधानमंत्री के अनुसार, ग्रामीण व छोटे-छोटे नगरों में संपत्ति के स्वामित्व का अधिकार मिलने के बाद लाखों लोगों ने इस आधार पर बैंकों व अ-बैंकिंग संस्थानों से अपनी जरूरत का ऋण प्राप्त किया है। लोगों ने ऋण का उपयोग अपना व्यापार-उद्योग आरंभ करने में किया। इन लोगों में अधिसंख्य कृषक हैं, जिनके लिए स्वामित्व संपत्ति कार्ड वित्तीय सुरक्षा का शासकीय आश्वासन है। भविष्य में भूमि स्वामित्व व भूमि अधिकार कार्ड के आधार पर सौ लाख करोड़ की आर्थिक गतिविधियों का मार्ग प्रशस्त होगा। मूलतः ये कार्ड गांवों के विकास की नींव बनेंगे। कार्डधारकों को ऋण और शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त होगा। अभी संपत्ति कार्डों का वितरण छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दो केंद्रशासित प्रदशों जम्मू कश्मीर व लद्दाख के पचास हजार से अधिक गांवों के लाभार्थियों को किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत लगभग 65 लाख कार्ड वितरित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 2.24 करोड़ व्यक्तियों के पास संपत्ति स्वामित्व कार्ड होंगे। दुनियाभर में देशों के महानगरों व नगरनिगम शासित क्षेत्रों के अतिरिक्त सुदूरवर्ती ग्रामीण एवं अर्द्धशहरी क्षेत्रों में लोगों को स्वामित्व व भूमि अधिकार मिलना आरंभ से ही एक चुनौतीपूर्ण कार्य रहा है। इस संदर्भ में कई वर्ष पहले संयुक्त राष्ट्र ने एक अध्ययन किया था, जिसमें यही निष्कर्ष निकला कि अनेक देशों में लोगों के पास उनकी संपत्ति के स्वामित्व के लिए कानूनी प्रलेख नहीं हैं।

स्वामित्व योजना एक क्रांतिकारी योजना है। यह कृषि क्षेत्र का समयानुकूल सशक्तिकरण करने का वृहद आधार बनेगी। गांवों, छोटे-छोटे नगरों एवं कस्बों में स्थानीय कृषकों और श्रमिकों के जो भी कृषि भूखण्ड व आवासीय भूमि है उसका अब तक समुचित मापन नहीं था। पीढ़ियों से लोगों के पास होने के बाद भी इनका अभिलेखीकरण नहीं किया गया था। जब भी जिस कृषक, श्रमिक और गांव के गरीब व्यक्ति को अपनी भूमि की नाप-जोख कर उसके अभिलेख बनवाने की आवश्यकता होती, तो वह गांव के प्रधान या प्रभावशाली व्यक्ति की सहायता लेकर उसको निश्चित मुद्रा का भुगतान करके अपना भूमि से संबंधित कार्य करवाता था। इस प्रक्रिया को पंचायत से लेकर तहसील स्तर तक इतना जटिल और मकड़जालीनुमा बना दिया गया था कि अधिसंख्य ग्रामीण अपनी भूमि का पंजीकरण-अभिलेखीकरण करवाने के लिए हमेशा हतोत्साहित रहे। करोड़ों की जनसंख्या में से यदि हजारों-लाखों ग्रामीण गरीब लोग भी अपनी-अपनी भूमि का पंजीकरण-अभिलेखीकरण स्थानीय अवैध प्रक्रिया के अन्तर्गत करवाते थे तो इससे ही दलाली के रूप में बड़ी मुद्रा का लेन-देन होता आया था। यह दुर्व्यवस्था अब भी चल रही है और इसीलिए भूमि का मापन कर उसके स्वामित्व

अभिलेख लोगों को देने का एक अति सहज-सरल शासकीय कार्य अत्यंत जटिल बना हुआ है।

घरों और खेतों का अभासी व मौखिक स्वामित्व ग्रामीणों के लिए अनेक प्रकार से अनुपयोगी और आधुनिक जगत में विकास की धारा से वंचित रहने का कारण था। ग्रामीण एवं अर्द्धनगरीय क्षेत्रों में लोगों के पास भू स्वामित्व के कानूनी प्रमाण व प्रलेख न होने के कारण, लाखों एकड़ की भूमि का पूंजीगत उपयोग नहीं हो पा रहा था। लेकिन अब स्वामित्व योजना के अन्तर्गत प्रौद्योगिकी की सहायता से भूमि का मापन होने, ड्रोन कैमरे से गांव की संपूर्ण भूमि का मानचित्र बनाने के साथ-साथ एक ग्रामीण की समग्र भूमि का मानचित्र बनाकर उसका स्वामित्व-अभिलेख बनने और इस स्वामित्व-अभिलेख की अखिल भारतीय प्रामाणिकता होने के उपरान्त ग्रामीण-जगत की संपूर्ण जीवन व्यवस्था में एक बड़ा सकारात्मक परिवर्तन आएगा। लोग अपनी भूमि और घरों के वास्तविक, प्रामाणिक व प्रलेखमूलक स्वामी / स्वामिनी होंगे। स्वामित्व योजना के अन्तर्गत उनके स्वामित्वधारण की स्वीकार्यता अखिल भारतीय ही नहीं अपितु अखिल वैश्विक होगी। कृषक, श्रमिक, ग्रामीण और छोट-छोटे काम-धंधे करनेवाले करोड़ों लोग अब अपनी भूमि के प्रामाणिक शासकीय प्रलेखों के आधार पर बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों से सुगमतापूर्वक ऋण प्राप्त कर सकते हैं। सत्यप्रमाणित स्वामित्व-प्रलेखों के होने पर अब बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाएं लोगों को ऋण लेने से वंचित नहीं रख सकतीं।

स्वामित्व-प्रलेख लोगों के लिए प्रसन्नता का कारण बनेंगे। अभी तक अधिसंख्य ग्रामीण भूमि पर लोगों का आभासी और मौखिक स्वामित्व ही है। इस कारणवश दुर्जन लोग दूसरे की भूमि हथियाने या दूसरे की भूमि के कुछ हिस्से का अपने स्वामित्व में होने का दावा करते हैं, जबकि इसका कोई भी प्रलेखीय साक्ष्य उनके पास उपलब्ध नहीं होता। स्वामित्व योजना के पूर्णरूपेण लागू हो जाने के बाद इस प्रकार की अवैध दावेदारी बंद हो जाएगी। जब सभी लोगों को उनकी भूमि से संबंधित स्वामित्व अभिलेख प्राप्त हो जाएंगे तो ग्रामीण स्तर पर भूमि को लेकर उभरनेवाले विवाद, संघर्ष और झगड़े-झंझट सब रुक जाएंगे। ग्रामीण व्यक्ति जब पूरी तरह आश्वस्त हो जाएगा कि उसकी भूमि विधिक और प्रामाणिक रूप में उसी की है तथा उसके पास इसका प्रलेखीय साक्ष्य उपलब्ध है, तो वह भूमि के स्वामित्व के आधार पर अपनी संभावित कृषि एवं व्यापार योजनाओं को साकार करने के लिए एकनिष्ठ हो सकेगा।

जिस प्रकार चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल जैसे देश हमारे देश की सीमाओं पर अतिक्रमण करने की मानसिकता से ग्रस्त हैं और आए दिन सीमाक्षेत्र की भूमि को लेकर उनके द्वारा कोई न कोई अंतर्राष्ट्रीय विवाद उत्पन्न किया ही जा रहा है, तो इस स्थिति में सीमा-क्षेत्रों की भूमि पर स्थानीय लोगों के लिए स्वामित्व अभिलेख बनाया जाना अति आवश्यक है। यदि लोगों के अधिकार वाली सीमा-क्षेत्र की भूमि का नागरिक स्वामित्व बना रहेगा, तो अन्य देशों के साथ सीमा-क्षेत्रों के विवाद की स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरणों में हमारा देश समुचित साक्ष्यों के साथ तैयार होगा, जो हमारे लिए हर दृष्टि से लाभकारी होगा। जैसे-जैसे देश में लोगों को उनकी भूमि का स्वामित्व शासकीय प्रमाणों व प्रलेखों के माध्यम से मिलता जाएगा, वैसे-वैसे देश में अर्थव्यवस्था एक नए दिशाबोध के साथ प्रगतिवान होगी। यह कुछ वर्षों में न केवल सकल घरेलू उत्पाद में महत्त्वपूर्ण योगदान देगी, अपितु प्रति व्यक्ति आय में भी अत्यधिक वृद्धि करेगी। इस योजना को अखिल भारतीय भूमि सुधार की वृहद नीति से भी जोड़ा जाना चाहिए।

मुंह के मौन से ज़्यादा ज़रूरी 'मन का मौन'

हम सभी मनुष्य जन्मते ही अपना मुख चलाना शुरू कर देते हैं, जिसका प्रमाण है जन्म लेते ही शिशु का रोना। बोलना हमारी स्वाभाविक क्रिया है, जो हमें करनी ही पड़ती है। यह बात और है कि कभी-कभी बाहर के शोर में हम इतने खो जाते हैं कि ईश्वर का स्वर हमें सुनाई ही नहीं पड़ता। इसीलिए ही महापुरुषों से हमें एक उत्तम राय मिलती है कि सप्ताह में या माह में एक दिन अवश्य मौन रहें, परंतु हम मुख को तो बंद कर लेते हैं, परंतु हमारे मन का बोलना बंद नहीं हो पाता। इसलिए ही तो अधिकतर डाक्टर सभी मरीजों को कहते हैं कि 'अपने मन को ज्यादा नहीं चलाओ।' अर्थात 'मन का मौन' करो। कहते हैं कि बिना हड्डी की जीभ जब बोलने लगती है, तो कइयों की हड्डियां तोड़ देती है। इसीलिए तो हमें यह बचपन से सिखाया जाता है कि पहले सोचो फिर बोलो, क्योंकि जैसे कमान से निकला हुआ तीर वापस नहीं आता, ठीक उसी तरह मुख से निकला हुआ वचन भी वापस नहीं लिया जा सकता। इसका सबसे श्रेष्ठ उदहारण है महाभारत की कथा, जिससे हमें यह सीख मिलती है कि कैसे एक जुबान के फिसलने से संकटकाल का निर्माण हो गया। इसीलिए 'कम बोलें-धीरे बोलें-मीठा बोलें।' हम जब भी कुछ बोलें तो हमारे वचन दूसरों के लिए सुखदायी हों, न कि कांटा चुभाने वाले दुखदायी। संसार में ऐसे अनेक लोग हैं जिन्होंने कटु वचन बोलने के संस्कार के कारण अपने संबंधों में खटास पैदा कर ली है। इसलिए हमें सदैव सही समय और सही जगह पर सही शब्द का प्रयोग करना चाहिए।

भरे गिलास से मंदिर की परिक्रमा

एक महिला रोज मंदिर जाती थी एक दिन उस महिला ने पुजारी से कहा अब मैं मंदिर नही आया करूंगी इस पर पुजारी ने पूछा क्यो? तब महिला बोलीः मैं देखती हूं लोग मंदिर परिसर में अपने फोन से अपने व्यापार की बात करते हैं कुछ ने तो मंदिर को ही गपसप करने का स्थान चुन रखा है, कुछ पूजा कम पाखंड ज्यादा करते हैं। इस पर पुजारी कुछ देर तक चुप रहे फिर कहाः सही है! परंतु अपना अंतिम निर्णय लेने से पहले आप मेरे कहने से कुछ कर सकती है। महिला बोलीः आप बताइए क्या करना है। पुजारी ने कहाः एक गिलास पानी से भरकर लीजिए और 2 बार मंदिर परिसर के अंदर परिक्रमा लगाइए शर्त ये है कि गिलास का पानी गिरना नही चाहिए। महिला बोलीः में ऐसा कर सकती हूँ फिर थोड़ी ही देर में उस महिला ने ऐसा कर दिखाया। उसके बाद मंदिर के पुजारी ने महिला से 3 सवाल पूछेः 1) क्या आपने किसी को फोन पर बात करते देखा? 2) क्या आपने किसी को मंदिर मे गपसप करते देखा? 3) क्या किसी को पाखंड करते देखा? महिला बोलीः नही मैंने कुछ भी नही देखा। फिर पुजारी बोलेः जब आप परिक्रमा लगा रही थी तो आपका पूरा ध्यान गिलास पर था कि इस में से पानी न गिर जाए इसलिए आपको कुछ दिखाई नही दिया। अब जब भी आप मंदिर आए तो सिर्फ अपना ध्यान परम पिता परमात्मा में ही लगाना फिर आपको कुछ दिखाई ही नही देगा। सिर्फ भगवान ही सर्वबृत दिखाई देगा, जब ऐसा होगा तो स्वयं ही कल्पना कर लीजिएगा।

एक्स को दूसरा मौका देना कितना सही

किसी भी रिश्ते में नोक-झोंक होना सामान्य बात है। लेकिन कई बार छोटी सी बहस भी बड़े विवाद का कारण बन जाती है, जिससे रिश्ता टूट जाता है। हालांकि कुछ मामलों में थोड़े दिनों बाद किसी एक को अपनी गलती का एहसास होता है। तब वह एक्स से माफी मांगकर फिर से रिश्ते की नई शुरुआत करना चाहता है। कई बार ये दूसरे व्यक्ति के लिए असमंजस भरी स्थिति हो सकती है। वह ये समझ नहीं पाता कि उसे माफ कर देना चाहिए या फिर हमेशा के लिए छोड़ देना चाहिए। हालांकि अगर एक्स दिल से अपनी गलती स्वीकार करे और ये विश्वास दिलाए कि आगे से वह ऐसा नहीं करेगा तो उसे दूसरा मौका देने पर विचार किया जा सकता है। तो आज रिलेशनशिप कॉलम में हम बात करेंगे कि एक्स को कब दूसरा मौका दिया जा सकता है। साथ ही जानेंगे कि एक्स को दूसरा मौका देते समय किन बातों का ख्याल रखना चाहिए। यह एक ऐसा कदम है, जिसका हमारी भावनाओं और आत्मसम्मान पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए एक्स को दूसरा मौका देने से पहले विचार करना बेहद जरूरी है। यह निर्णय केवल पल भर की भावना पर नहीं, बल्कि पूरी तरह से सोच-समझकर लेना चाहिए। जब एक्स को अपनी गलती का एहसास हो और वह खुद में बदलाव करने के लिए तैयार हो तो उसे दूसरा मौका दिया जा सकता है। यह पूरी तरह से आप पर निर्भर है क्योंकि आप उस व्यक्ति को अच्छी तरह से जानते हैं। अगर आपके मन में एक्स के लिए प्यार है और आप चीजों को सुलझाने के लिए तैयार हैं तो उसे दूसरा मौका जरूर देना चाहिए। हालांकि एक्स को दूसरा मौका देने से पहले कुछ बातों का विशेष ख्याल रखना चाहिए। जब एक्स अपनी गलतियों को ईमानदारी से स्वीकार करे और उसके लिए सॉरी बोले तो इसका मतलब है कि वह रिश्ते को दोबारा शुरू करना चाहता है। इस स्थिति में उसे दूसरा मौका देने पर विचार किया जा सकता है। ब्रेकअप के बाद कुछ लोग अपने एक्स के साथ फिर से जुड़ने के लिए सॉरी तो बोल देते हैं। लेकिन उन्हें अपनी गलतियों पर कोई पछतावा नहीं होता है। ऐसे में उनकी बॉडी लैंग्वेज और तौर-तरीकों पर ध्यान देना जरूरी है। अगर उसमें बदलाव दिखे तो एक्स को दूसरा मौका दे सकते हैं। कई बार ब्रेकअप के बाद लोगों को अपने रिश्ते की अहमियत पता चलती है। उन्हें अपनी गलतियों का एहसास होता है। ऐसे में वे पुराने झगड़े या विवाद को सुलझाकर रिश्ते को फिर से शुरू करना चाहते हैं। जब एक्स इस भावना के साथ आपके पास आए तो उसे दूसरा मौका देने पर

विचार करना चाहिए। अगर एक्स की बातों से ईमानदारी झलकती है तो इसका मतलब है कि वह अपने रिश्ते को बचाने के लिए सीरियस है। ऐसे में उसे दूसरा मौका देना चाहिए। खुलकर बातचीत करने से समस्याओं का समाधान होता है, रिश्ते में मजबूती आती है और भविष्य में होने वाली गलतफहमियों से भी बचा जा सकता है। जब एक्स अपनी पिछली गलतियों से सबक लेते हुए भविष्य में उस तरह की गलतियां न दोहराने का वादा करे तो उसे दूसरा मौका जरूर देना चाहिए। ये इस बात का संकेत है कि वह आपको खोना नहीं चाहता है। अगर आपको अपने एक्स के साथ खुशी मिलती है तो उसे दूसरा मौका देने के बारे में सोच सकते हैं। हो सकता है कि दोबारा साथ आने के बाद चीजों में सुधार हो और भविष्य में फिर से कभी इस तरह की मिसअंडरस्टैंडिंग न हो। कई बार झगड़ा होने के बाद भी लोग अपने एक्स से दूर नहीं रह पाते हैं। ऐसे में उनके मन में ख्याल आता है कि क्यों न उसे एक और मौका देकर देखें। अगर आपके मन में भी अपने एक्स को लेकर ऐसा ख्याल आता है तो उसे दोबारा मौका दे सकते हैं। अगर एक्स ने कई बार आपको धोखा दिया है, आपके साथ गलत व्यवहार किया है तो उसे दूसरा मौका देना व्यर्थ है। इससे आपकी सेल्फ रिस्पेक्ट कम होगी। अगर उसने आपको शारीरिक या मानसिक रूप से प्रताड़ित किया है। अगर अभी आपके बीच की समस्याएं अनसुलझी हैं। अगर उसने आपके आत्मसम्मान या आत्मविश्वास को ठेस पहुंचाई है। अगर उसने आपका आर्थिक शोषण या आपके साथ धोखाधड़ी की है। अगर वह आपको कंट्रोल करने की कोशिश करता है। अगर वह बदलाव के लिए तैयार नहीं है। ऐसे में दूसरा मौका देना केवल खुद को दुखी करने जैसा हो सकता है।

CMYK

जनमार्ग
सिटी न्यूज
JANMARG news
श्रीगंगानगर, बुधवार, 22 जनवरी 2025
3
जनमार्ग
» रायसिंहनगर » गजसिंहपुर » सादुलशहर » अनूपगढ़ » रामसिंहपुर » जैतसर » पक्कासहारणा » केसरीसिंहपुर » पदमपुर » लालगढ़ » मांझूवास » फकीरवाली » श्रीबिजयनगर

माइनिंग सेक्टर में राजस्थान ने समूचे देश में पहराया परचम

❑ कोणार्क में खान मंत्रियों की कांफ्रेंस में देश भर में मेजर मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन में ❑ राजस्थान को पहला पुरस्कार, प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने प्राप्त किया पुरस्कार ❑ वर्ष 2023-24 मेजर मिनरल ऑक्शन में पहला पुरस्कार, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र दूसरे, तीसरे स्थान पर

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राज्य के माइंस विभाग ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जो स्वयं खान मंत्री भी है के नेतृत्व में समूचे देश में माइनिंग सेक्टर में राजस्थान का परचम पहरा दिया है। राजस्थान के प्रमुख शासन सचिव माइंस, भूविज्ञान व पेट्रोलियम टी. रविकान्त को सोमवार को ओडिशा के कोणार्क में केन्द्रीय खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी और केन्द्रीय खान सचिव वी. कान्ताराव ने वर्ष 2023-24 में देश भर में एक्जेम्प्लेरी परफारमेंस इन मिनरल ब्लॉक ऑक्शन का पहला पुरस्कार प्रदान किया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जो स्वयं खान मंत्री भी है के मार्गदर्शन में प्रदेश में खनिज क्षेत्र में नई नीतियों से लेकर खोज खनन और राजस्व संग्रहण के क्षेत्र में एतिहासिक उपलब्धियां अर्जित की गई है। केन्द्र सरकार ने राजस्थान की उपलब्धि को अनुकरणीय परफारमेंस बताया है।

प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त को यह पुरस्कार ओडिशा के कोणार्क में आयोजित नेशनल माइनिंग मिनिस्टर्स कॉन्फ्रेंस में दिया गया। प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने राजस्थान के खान विभाग के लिए इसे एतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि राज्य में वर्ष 2023-24 में देश भर में सर्वाधिक 31 मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी की गई। यह समूचे देश में सर्वाधिक होने के साथ ही राजस्थान के माइनिंग इतिहास में भी पहलीबार हुआ। नई सरकार आने के बाद तीन माह में ही मेजर मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन के योजनावद्ध प्रयासों से राजस्थान यह उपलब्धि अर्जित की है। उन्होंने कहा कि माइंस एवं भूविज्ञान विभाग की पूरी टीम द्वारा टीम भावना से किए गए समग्र प्रयासों से संभव हो पाया है। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने विभाग के अधिकारियों, कार्मिकों, माइनिंग सेक्टर के स्टेक होल्डर्स सहित प्रदेशवासियों को बधाई दी। रविकान्त ने बताया कि 31 मेजर मिनरल ब्लॉकों में 22 माइनिंग लीज व 9 कंपोजिट लाइसेंस के लिए नीलामी की गई। इनमें लाईम स्टोन के 22 ब्लॉक, आयरन ओर के 4 ब्लॉक और बेसमेटल के पांच ब्लॉक है। उन्होंने बताया कि मिनरल ब्लॉकों की नीलामी के क्षेत्र में इस वित्तीय वर्ष में भी राजस्थान नया रेकार्ड रचने जा रहा है। निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि राजस्थान में खनिज खोज, खनन प्लाटों का डिलेनियेशन, भारत सरकार के ई पोर्टल पर नीलामी, अवैध खनन पर प्रभावी रोक व अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्यवाही आदि से विभाग को नई गति व राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनी है। कलाल ने बताया कि वर्ष 2023-24 में 31 मेजर मिनरल ब्लॉकों का ऑक्शन किया गया जिसमें नई सरकार के तीन माह के समय में ऑक्शन में तेजी आने से राजस्थान समूचे देश में पहला स्थान प्राप्त करने में सफल रहा। दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में अतिरिक्त निदेशक भूविज्ञान एसएन डोडिया और अधीक्षण खनि अभियंता विजिलेंस प्रताप मीणा भी हिस्सा ले रहे हैं। दो दिवसीय नेशनल माइनिंग मिनिस्टर्स कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन मंगलवार को राजस्थान के प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त भी ऑक्शन और बेस्ट प्रेक्टिसेज पर प्रदेंगेशन देंगे।

राज्य स्तरीय हॉकी सीनियर पुरूष वर्ग हेतु चयन प्रक्रिया 22 को

श्रीगंगानगर। जला हॉकी संघ द्वारा राज्य स्तरीय पुरूष सीनियर वर्ग हॉकी प्रतियोगिता हेतु श्रीगंगानगर टीम का चयन किया जाना है उक्त चयन श्रीगुरूनानक खालसा स्नातकोतर महाविधालय के हॉकी मैदान पर दिनांक 22.01.2025 को प्रातः 10 बजे खेल कौशल व शारीरिक दक्षता के आधार पर किया जायेगा इसमें चयन समिति के सदस्य- राजवीर सिंह, धमेन्द्र शर्मा, परमिन्द्र सिंह कालड़ा, संकल्प नियुक्त किये गये है। सभी इच्छुक खिलाडियों को सूचित किया जाता है कि खिलाडी अपने आवश्यक दस्तावेज (आधार कार्ड, दो फोटो) व खेल उपकरण साथ लावें।

श्री हनुमान मंदिर चित्रकुटी धाम में अंजना माता की मूर्ति स्थापना व कीर्तन दरबार का होगा

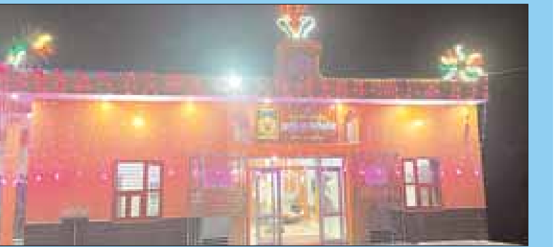

गजसिंहपुर (जनमार्ग न्यूज)। श्री हनुमान मंदिर चित्रकुटी धाम में अंजना माता के मन्दिर का निर्माण किया गया है। श्री हनुमान चित्रकुटी धाम मंदिर को रंग बिरंगी लड़ियों से सजाया गया है। मंदिर की सजावट आकर्षण का केंद्र बन रही है आपको बता दें कि मंदिर कमेटी के द्वारा अंजना माता के मन्दिर में 22 जनवरी बुधवार को अंजना माता की मूर्ति स्थापना सुबह 11-15 बजे की जायेगी इस मौके पर कीर्तन का आयोजन शाम 4 बजे से लेकर सायं 8 बजे तक किया जाएगा इस कार्यक्रम को लेकर श्री हनुमान चित्रकुटी धाम के सेवादारों व गजसिंहपुर वासियों में उत्सुकता नजर आ रही है वहीं सेवादार इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जुटे हुए हैं

प्रोफ़ेसर सुखविंदर सिंह वानर को मिली पीएचडी की उपाधि

गजसिंहपुर (जनमार्ग न्यूज)। शहर ही नहीं बल्कि दूरदराज के क्षेत्र में अपना नाम अर्जित करने वाले एवं जन जन तक अपनी पहचान बनाने वाले शिक्षाविद किड्जवे स्कूल के संचालक एवं आम आदमी पार्टी के प्रदेश सचिव प्रोफसर सुखविंदर सिंह वानर को गत दिनों खुशालदास विश्वविद्यालय की तरफ़ से पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई प्रोफ़ेसर वानर शिक्षा के क्षेत्र में जाना पहचाना नाम है इनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियां हासिल की जा चुकी हैं जिनमें छह विषयों में स्नातकोत्तर के अलावा तीन विषयों में तीन यूजीसी नेट की डिग्री भी हासिल कर चुके है इस विशेष उपलब्धि के लिए गजसिंहपुर क्षेत्र ही नहीं बल्कि जयपुर सहित दिल्ली से लगातार बधाइयाँ प्रेषित की जा रही है। वहीं अब प्रोफेसर की जगह डॉक्टर सुखविंदर सिंह वानर कहलाएंगे।

रोटरी क्लब तथा केनरा बैंक एम्पलाइज यूनियन ने वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाए

दुर्घटनाओं से बचाव के लिए प्रदेश सचिव रविदीप चतुर्वेदी के जन्मदिवस पर किया सेवा कार्य

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। रोटरी क्लब पदमपुर तथा केनरा बैंक एम्पलॉईज यूनियन द्वारा सड़क सुरक्षा तथा धुंध में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से रिफलेक्टर लगाने का अभियान चलाया गया। रोटरी क्लब पदमपुर सचिव, केनरा बैंक एम्पलॉईज यूनियन तथा आरपीबीईयू सहायक सचिव कुलदीप गोदारा ने बताया कि केनरा बैंक एम्पलॉईज यूनियन के प्रदेश सचिव रविदीप चतुर्वेदी के जन्मदिवस पर कार्य सेवा करते हुए 18 बीबी टोल पर पूरे दिन दोपहिया व चोपहिया वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाए गए। इसके साथ-साथ निराश्रित पशुओं के गले में भी रिफ्लेक्टर कॉलर बांधे गए, ताकि रात के अंधेरे में सड़क पर बैठे पशुओं का पता चल सके, जिससे दुर्घटनाओं से बचाव हो सके। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम अजीत गोदारा थे। इस मौके पर प्रदेश सचिव रविदीप चतुर्वेदी को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर जन्मदिवस पर उनकी दीर्घायु व उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। वाहन चालकों ने इस सेवा कार्य को अनुकरणीय पहल बताते हुए कहा कि इससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी होने से वाहन चालकों का अनमोल जीवन बच सकेगा। इस अवसर पर रोटरी क्लब पदमपुर तथा केनरा बैंक एम्पलाइज यूनियन से राजेन्द्र अग्रवाल सहित पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

नि:शुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर में करीब सौ दिव्यांग बच्चे लाभान्वित, ❑ अगला कैम्प 20 अप्रैल को

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। हैनीमेन एज्यूकेशन रिसर्च फोरम (हर्फ) एवं शुभकरमन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को रेलवे रोड स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में दिव्यांग बच्चों के उपचार हेतु निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर लगाया गया, जिसमें नब्बे से अधिक दिव्यांग बच्चे लाभान्वित हुए। ट्रस्ट निदेशक डॉ. चरणजीत सिंह ने बताया कि शिविर में श्रीगंगानगर व हनुमानगढ़ जिले सहित पंजाब व हरियाणा से आए शारीरिक तौर पर अल्प विकसित, गूंगे-बहरे, अंधे, स्वालीन, जन्म से अंगहीन व मंदबुद्धि बच्चों की जांच कर निःशुल्क दवाइयां भी दी गई। इस दौरान बाहर से आने वाले मरीजों व उनके परिजनों के लिए गुरूद्वारा श्री गुरूसिंह सभा प्रबन्धक कमेटी द्वारा लंगर की व्यवस्था की गई। उन्होंने बताया कि अगला कैम्प 20 अप्रैल, रविवार को लगाया जाएगा।

संध्या फेरी का अरोड़वंश श्री हनुमान मंदिर में हुआ भव्य स्वागत

वाहेगुरु का किया जाप

जनमार्ग न्यूज

गजसिंहपुर। कस्बे के गुरुद्वारा धन-धन बाबा दीप सिंह जी शहीद वार्ड नंबर 10 गजसिंहपुर में प्रकाश दिवस के उपलक्ष पर 15 जनवरी से 25 जनवरी तक संध्या फेरी का आयोजन किया जा रहा है प्रकाश दिवस के उपलक्ष पर रोजाना शाम को गजसिंहपुर कस्बे के मुख्य मार्गो एवं वार्डो में संध्या फेरी का आयोजन श्रद्धा के साथ किया जा रहा है जगह-जगह वार्ड वासियों के द्वारा इस संध्या फेरी का भव्य स्वागत व चाय का अटूट लंगर बरताया जा रहा है आपको बता दें कि अरोड़वंश श्री हनुमान मंदिर में संध्या फेरी का पुष्प वर्षा के साथ भव्य स्वागत किया गया वहीं श्री हनुमान मंदिर परिसर में वाहेगुरु का जाप करते हुए गुरु की महिमा का गुणगान एवं उनके द्वारा किए गए कार्यों व बताए गए मार्ग पर चलने का आवाहन किया मुख्य सेवादार इन्द्र काठपाल ने बताया कि श्री हनुमान मंदिर में संध्या फेरी का स्वागत कर श्रद्धालुओं को चाय एवं पकोड़ो का प्रसाद वितरण किया गया धन धन बाबा दीप सिंह जी शहीद प्रकाश उत्सव पर गुरुद्वारा धन-धन बाबा दीप सिंह जी शहीद गुरु घर में 26 जनवरी रविवार को बाबा गरीब सिंह रामामण्डी (पंजाब) , हजूरी रागी भूपेंद्र सिंह के द्वारा गुरु की महिमा का बखान किया जाएगा इस अवसर पर शब्द कीर्तन एवं दीवान सजाए जाएंगे वहीं गुरु का अटूट लंगर भी बरताया जाएगा

सीटू, किसान सभा और खेत मजदूर यूनियन का संयुक्त कन्वेंशन संपन्न

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। रविवार को हनुमानगढ़ टाउन स्थित जन शक्ति भवन में सीटू, किसान सभा और खेत मजदूर यूनियन का संयुक्त कन्वेंशन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कामरेड आत्मा सिंह, रघुवीर वर्मा, शेर सिंह शाक्य, बहादुर सिंह चौहान, मुकद्दर अली, बसंत सिंह, शिव कुमार, शोपत राम, मेजर सिंह, हरजी वर्मा, कपिल देव, ऋछपाल सिंह, शत्रोहन और तरसेम सिंह जैसे प्रमुख नेताओं ने भाग लिया और अपने विचार साझा किए।

कन्वेंशन में जनवरी 1982 की ऐतिहासिक अखिल भारतीय हड़ताल के 43 वर्षों के महत्व पर चर्चा हुई। नेताओं ने मजदूरों और किसानों की एकता को मजबूत करने के लिए इस ऐतिहासिक घटना को प्रेरणा स्रोत बताया। 1982 की 19 जनवरी को आयोजित इस हड़ताल में देशभर में लाखों मजदूर, किसान और खेतिहर मजदूर शामिल हुए थे। यह हड़ताल नवउदारवादी नीतियों और सांप्रदायिकता के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक बन गई थी।

नेताओं ने बताया कि 1982 की इस हड़ताल में पुलिस फायरिंग के कारण कई प्रदर्शनकारियों ने अपनी जान गंवाई थी। उत्तर प्रदेश के बाबर बाजार और तमिलनाडु के थिरुमग्ननम व थिरुथुराईपोंडी में कई शहीद हुए। शहीद भोला पासवान और लाल चंद पासवान जैसे नेताओं के बलिदान को याद करते हुए, कन्वेंशन में मजदूरों और किसानों की एकजुटता को आज के दौर में भी प्रासंगिक बताया गया।

कन्वेंशन में यह भी चर्चा हुई कि कैसे वर्तमान समय में केंद्र सरकार की नवउदारवादी नीतियां और सांप्रदायिक राजनीति मजदूर वर्ग और किसानों पर हमले कर रही हैं। नेताओं ने मजदूरों के अधिकारों की रक्षा, किसानों के लिए लाभकारी मूल्य, न्यूनतम मजदूरी और सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने की मांग को दोहराया।

वार्ड नंबर 18 में हुआ नवनिर्वाचित भाजपा मंडल अध्यक्ष सुशील अरोड़ा का जोरदार स्वागत

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। भाजपा नगर मंडल पश्चिम क्षेत्र, श्रीगंगानगर के कार्यकर्ताओं द्वारा सुशील अरोड़ा के निर्वाचित अध्यक्ष होने पर वार्ड नं.18 पुरानी आबादी में कार्यकर्ता द्वारा उपसभापति लोकेश मनचंदा के कार्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी शामिल हुए तथा लगातार दूसरी बार अध्यक्ष बनने पर पुष्प वर्षा कर तथा मण्डल अध्यक्ष सुशील अरोड़ा को फूलमाला पहनाकर जोरदार सम्मान किया गया। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई द्वारा मुंह मीठ कर खिलाकर खुशी का इजहार किया तथा सभी कार्यकर्ताजों में भारी जोश व उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने मण्डल अध्यक्ष सुशील अरोड़ा के सफल कार्यकाल की मुक्तक में सराहना की तथा कहा कि ऊर्जावान प्रखर वक्ता सुशील अरोड़ा के नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत हुआ है तथा आमजन का पार्टी से जुड़ाव बड़ा है। कार्यकर्ताओं को एक सूत्र में बांधने तथा आमजन को पार्टी से जोड़ने के कारण आज नगर मंडल पश्चिम क्षेत्र में भाजपा का जनाधार बढ़ा है तथा पार्टी और अधिक मजबूत हुई है। वहीं उनके कार्यकाल में केन्द्र व राज्य को भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी घावनाओं के सक्रियतापूर्वक प्रचार प्रसार से अंतिम छोर तक बैठा व्यक्ति भी लाभान्वित हुआ है। अपने जोरदार स्वागत-सम्मान से अभिभूत मण्डल अध्यक्ष सुशील अरोड़ा ने वार्ड वासियों का आभार व्यक्त करते हुए पूर्व से और अधिक सक्रिय होकर संगठन एवं जनहित में सेवा भाव से कार्य करने का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता दीवानचंद गेरा ने की वरिष्ठ भाजपा नेता श्रवण चावला व सतपाल लुहारिया ने मंच संचालन में अपनी भूमिका निभाई !शिष्ट मंडल के आदरणीय गजानंद जी सैन , हंसराज कुलचानिया, सुरजीत ओड, नरेश गर्ग द्वारा माता की चुनरी भेट की गयी। वार्ड नंबर 18 से बड़ी संख्या में पधारे महानुभाव विजय , महावीर , भारत नागपाल आत्माराम, अनिल अरोड़ा, राजेश सोनी ,वेद प्रकाश, शेरू, परविंदर मिड्डा,रवि कुकरेजा, हिमांशु वधवा,नीतीश चावला, मयंक सैनी,अनु वालिया,कृष्ण जी और भाजपा कोर कमेटी पुरानी आबादी से पूर्व नगर मंडल पश्चिम उपाध्यक्ष जेपी गौरी ,नवीन मदन ,संतोष गुप्ता, प्रवीण फुटेला , जयप्रकाश दुबे, आशीष राठौर , राजेश सोनी, सूरज सोनी , रिंकू सिंह,भूप डामा,मुकेश मक्कड़, संदीप भाम्भू एवं भाजपा के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

श्री अन्नपूर्णा रसोई का आकस्मिक निरीक्षण

रसोई संचालकों को दिए गुणवत्तापूर्ण भोजन और साफ-सफाई रखने के निर्देश

गजसिंहपुर (जनमार्ग न्यूज)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुसार आमजन को पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध करवाने के तहत जिला प्रशासन के दिशा निर्देशों के द्वारा गजसिंहपुर शहर में संचालित श्री अन्नपूर्णा रसोइ का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने रसोई संचालकों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध करवाते हुए पर्याप्त साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर डॉक्टर मंजू के निर्देशानुसार गजसिंहपुर तहसीलदार सपना सोनी के द्वारा श्री अन्नपूर्णा रसोइ का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी। वही तहसीलदार सपना सोनी के द्वारा निरीक्षण के दौरान रसोई संचालकों से आमजन को उपलब्ध करवाए जा रहे भोजन की जानकारी लेते हुए कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुसार यहां आने वालों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध करवाया जाए। रसोई में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। भोजन का मेन्यू उचित स्थान पर प्रदर्शित करते हुए स्वच्छ पानी, बिजली, मौसम के अनुसार सब्जी, बर्तन धोने की जगह सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

CMYK

आधी आबादी
भविष्य की बेहतरी से जुड़े हों बदलाव

आजादी मिलने और गणतांत्रिक राष्ट्र बनने के बाद से देश की आधी आबादी लगभग हर क्षेत्र में निरंतर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही है, आगे बढ़ रही है। लेकिन अभी भी कई ऐसे पहलू हैं, जिन पर देश की राजनीतिक व्यवस्था और समाज को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। एक ऐसा भयमुक्त परिवेश बनाने की भी जरूरत है, जिसमें महिलाएं पूरे आत्मविश्वास से खुद की बेहतरी के लिए प्रयास कर सकें, देश की प्रगति में अपनी भूमिका निभा सकें।

गणतंत्र दिवस का पर्व, हम सबका प्यारा राष्ट्रीय पर्व है। हर दायित्व, हर हक की याद दिलाने वाला उत्सव। एक ओर तिरंगे के रंग मन में गर्व का भाव भरते हैं तो दूसरी ओर हमारी गणतांत्रिक व्यवस्था की यात्रा को पीछे मुड़कर देखने पर कुछ प्रश्न भी दिलो-दिमाग में दस्तक देते हैं। खासकर स्त्रियों के मन-जीवन से जुड़े कई पक्ष जरा ठहरकर विचार करने योग्य लगते हैं। असल में गणतंत्र यानी देश की सत्ता का जनसाधारण के हाथ में होना।

गणतांत्रिक व्यवस्था का अर्थ

गणतांत्रिक व्यवस्था में, शासन और न्याय के विधान की शक्ति आमजन के हिस्से होती है। हमारे यहां देश चलाने के इस कायदे में संविधान ने सभी नागरिकों को शिक्षा, समानता और अपनी बात कहने की स्वतंत्रता जैसे कई अहम अधिकार दिए हैं। जिनकी बदौलत महिलाओं के जीवन में भी बहुत से सार्थक परिवर्तन आए हैं। लेकिन इसका एक चिंतनीय पहलू यह है कि स्त्रियों की बेहतरी से जुड़ी बहुत सी बातें, भविष्य की बुनियाद को मजबूती देने की सोच से अभी भी चूक रही हैं।

मिले सुरक्षा और सहज सहयोग

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निर्भरता नहीं, आत्मनिर्भरता जरूरी है। यहां सरकार और सभी राजनीतिक दलों को इस बात को समझना बहुत जरूरी है कि महिलाओं की बेहतरी को आर्थिक सहयोग तक समेट देने वाली योजनाएं, असल में स्त्री सशक्तिकरण का सार्थक रास्ता नहीं सुझातीं। मताधिकार, हर नागरिक को संविधान से मिला सबसे बड़ा अधिकार है। ऐसे में यह तकलीफदेह है कि वोट लेने की जुगत से जुड़ी कई योजनाओं के पीछे भविष्य की बेहतरी का खाका नहीं है। एक नागरिक के तौर पर स्त्रियों को फाइनेंशियल हेल्प के बजाय, जीवन स्तर बेहतर बनाने वाली योजनाओं की अधिक दरकार है। जिनमें न केवल महिलाएं स्वयं भागीदार बनें बल्कि स्थायी बदलाव लाने की राह भी तलाशें। ऐसी योजनाएं, जिनसे परेशानियों के दौर में इमोशनल सिक्योरिटी, मेडिकल सपोर्ट और कानूनी मदद मिल सके। आश्रित बनाने वाली योजनाओं के बजाय जागरूक अस्तित्व को बल देने वाली वेलफेयर स्कीम्स ही महिलाओं को सजग और आत्मनिर्भर बना सकती हैं। महिला मतदाताओं की ताकत को समझना सुखद है पर देश के विकास में स्त्रियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के मोर्चे पर भी सोचा जाए। मन की शक्ति जुटा लेने वाली आज की बेटियों को सुरक्षित परिवेश मिले तो वे हर क्षेत्र में कमाल करने का माद्दा रखती हैं। यही नहीं घर-दफ्तर संभाल रही महिलाओं को भी सहज सहयोग भर मिल जाए तो बेहतरीन उपलब्धियां देश के नाम कर सकती हैं। समझना मुश्किल नहीं कि देश के आंगन को संवारने के लिए किसी भी क्षेत्र विशेष में सधी भूमिका निभाने के हालात उनके व्यक्तिगत जीवन में तो सार्थक बदलाव ले ही आएंगे। काम-काजी संसार में स्त्रियों की भागीदारी उनकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर बनाएंगी।

सबसे जरूरी सकारात्मक नजरिया

आज भी वर्चुअल दुनिया की बहसों से लेकर असल संसार की बातचीत तक, महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच नदारद दिखती है। दुखद घटना का शिकार हुई महिला के लिए भी संकुचित सोच वाली टिप्पणियां देखने को मिल जाती हैं। घर हो या बाहर, आधी आबादी के प्रति विवेकशील सोच कम ही दिखती है। परिवार और परिवेश के साथ अब तकनीक की रची ऑनलाइन दुनिया में भी महिलाओं को कटु शब्दों और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है। अपने-परायों की यह तयशुदा सोच, देश की महिलाओं की सच्ची स्वतंत्रता में बाधक है। बाबा साहब अंबेडकर ने कहा है, 'संवैधानिक स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं हैं, जब तक आप सामाजिक स्वतंत्रता प्राप्त नहीं कर लेते।' सच्चाई यह है कि महिलाएं कई मोर्चों पर आज भी तरह-तरह की बंदिशों में बंधी हैं। द्वेष और भेदभाव का शिकार हो रही हैं। चुनावी मौसम में महिलाओं को लेकर की जाने वाली अपमानजनक टिप्पणियां भी इसी सोच को प्रकट करती हैं। असल में राजनीतिक परिदृश्य में प्रभावी बदलाव आए बिना सामाजिक सोच का भी पूरी तरह से बदलना मुश्किल है।

राजनीति में बढ़े महिलाओं की सहभागिता

हमारे घर-परिवार में आम स्त्रियां भी संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक गणराज्य की परिकल्पना को सहज रूप से साकार करती दिखती हैं। बात चाहे बहू-बेटियों के अधिकारों को बल देने की हो या घरेलू जिम्मेदारियों संग काम-काजी दुनिया में अपनी जगह बनाने की। महिलाएं एक-दूजे की समर्थक बन रही हैं पर उनकी राजनीतिक सहभागिता आज भी बहुत कम है। समाज के आधे हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाली स्त्रियां निर्णयकारी भूमिका में पीछे दिखती हैं। महात्मा गांधी ने हमेशा इस बात को स्वीकार्यता दी कि 'स्त्री सार्वजनिक विकास का आधार है। उसके बिना सभ्य समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है।' आवश्यक है कि समाज और देश का व्यवस्थागत ढांचा भी महिलाओं की सबलता के सही मायने समझे। भविष्य की बेहतरी से जुड़े हर बदलाव को सकारात्मक दृष्टिकोण का मजबूत आधार मिले।

आपराधिक घटनाओं से मिले मुक्ति

सशक्तिकरण के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ती आधी आबादी के लिए बड़ी चिंता की बात यह भी है कि स्कूल-कॉलेज से लेकर सड़क और घर के आंगन तक, महिलाओं के साथ होने वाले अपराध के आंकड़े पूरी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। महिलाओं के लिए सम्मान से जीने के मोर्चे पर आज भी जद्दोजहद कायम है। मासूम बच्चियों के शोषण के मामले तो समस्त समाज को डराने वाले हैं। गणतांत्रिक देश की नागरिक होने के नाते सुरक्षित परिवेश में खुलकर जीने का हक तो हर स्त्री का बुनियादी अधिकार है। राह चलते हो रही क्रिमिनल एक्टिविटीज के कारण सामाजिक, पारिवारिक और मनोवैज्ञानिक मोर्चों पर महिलाओं के हिस्से आज भी बहुत से अवरोध हैं। ऐसे में संवैधानिक अधिकारों में दर्ज बराबरी की बातें, वास्तविक परिवेश में भी दिखनी चाहिए। ध्यान रहे कि हमारे संविधान के निर्माण की जिम्मेदारियों को निभाने में पंद्रह विदुषी महिलाओं की भी हिस्सेदारी थी। उस दौर में इन्होंने स्त्रियों के संघर्ष को देखने-जानने के बाद ही महिला अधिकारों की वकालत की थी। दुखद है कि संविधान के 75 वर्ष की अविस्मरणीय यात्रा में समान हक रखने वाली आधी आबादी के हिस्से अनगिनत पीड़ादायी घटनाएं होती रहती हैं। ऐसी स्थितियां बेटियों का मनोबल तोड़ने और मुस्कुराहटें छीनने वाली हैं। निस्संदेह, सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों के बीच स्त्रियों के स्वतंत्र अस्तित्व को ही नहीं स्त्रीत्व के रंग सहेजने की भी दरकार है। दुरुस्त व्यवस्थाएं ही इन परिस्थितियों में सुधार ला सकती हैं। बाबा साहब अंबेडकर ने कहा था, 'कानून और व्यवस्था राजनीतिक शरीर की दवा है और जब राजनीतिक शरीर बीमार पड़े तो दवा जरूर दी जानी चाहिए।' विचारणीय है कि सुरक्षित परिवेश मिले बिना संवैधानिक अधिकारों को जीने और स्वतंत्र अस्तित्व गढ़ने के मोर्चे पर आधी आबादी का संघर्ष खत्म नहीं हो सकता है।

भारतीय संविधान करता है महिलाओं का सम्मान

पुरुष हो या महिलाएं, भारत का संविधान हर नागरिक को न सिर्फ कई अधिकार प्रदान करता है, उन्हें सम्मान से जीने का हक भी देता है। यही नहीं पुरुष प्रधान हमारे समाज में महिलाओं के अधिकारों और सम्मान को सुरक्षित बनाए रखने के लिए कई विशेष प्रावधान किए गए हैं।

भारत में महिलाओं के लिए संवैधानिक प्रावधान, ऐतिहासिक असमानताओं और भेदभाव को संबोधित करने और सुधारने के लिए स्थापित किए गए हैं, जिनका सामना महिलाओं ने सदियों तक किया है। ये उपाय न्यायपूर्ण, समतामूलक समाज की नींव में महिलाओं की आवश्यक भूमिका को स्वीकार करते हैं और जीवन के सभी क्षेत्रों में उनकी पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखते हैं।

समानता-भागीदारी की पात्रता: भारत में महिलाओं के लिए संवैधानिक प्रावधान, भारतीय संविधान में निहित सुरक्षा उपायों की एक श्रृंखला है, जिसका उद्देश्य लैंगिक समानता सुनिश्चित करना और जीवन के विभिन्न पहलुओं में महिलाओं को सशक्त बनाना है। ये प्रावधान महिलाओं को भेदभाव से बचाने, उनकी भलाई को बढ़ावा देने और राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए हैं। अनुच्छेद 14, 15 और 16 जैसे मौलिक अधिकार समानता के अधिकार की स्थापना करते हैं और लिंग के आधार पर भेदभाव को रोकते हैं, जिससे महिलाएं सम्मान के साथ रह सकें और उन्हें समान अवसर मिलें। अनुच्छेद 39, 42 और 43 सहित निर्देशक सिद्धांत आर्थिक न्याय, समान वेतन और मातृत्व के दौरान सहायता की वकालत करते हैं।

इसके अलावा, अनुच्छेद 51 ए (ई) महिलाओं की गरिमा के लिए अपमानजनक प्रथाओं को त्यागने के नैतिक कर्तव्य पर जोर देता है।

राजनीतिक भागीदारी-सामाजिक सुरक्षा का अधिकार: मूल संविधान में प्रदत्त अधिकारों के अतिरिक्त, संवैधानिक संशोधनों ने पंचायतों और नगर पालिकाओं में सीटों के आरक्षण के माध्यम से स्थानीय शासन में महिलाओं की भागीदारी को सुगम बनाया है, जो महिलाओं के प्रतिनिधित्व और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भागीदारी बढ़ाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। अब तो लोकसभा में भी महिलाओं की 33 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए भी बिल पारित हो चुका है, जिसे परिसीमन के बाद लागू किया जा सकेगा। संविधान में महिलाओं के लिए अधिकारों और सुरक्षा को शामिल करके, भारत एक ऐसा कानूनी और सामाजिक वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है। इन प्रावधानों का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना, उनके अधिकारों की गारंटी देना तथा उन्हें सम्मान और समानता के साथ जीवन जीने में सक्षम बनाना है, जिससे राष्ट्र की प्रगति बढ़ेगी और लोकतांत्रिक मूल्यों को कायम रखा जा सकेगा।

सभी का कर्तव्य महिलाओं के प्रति सम्मान: संविधान का अनुच्छेद 51 ए (ई) महिलाओं की गरिमा के लिए अपमानजनक प्रथाओं का त्याग करने के लिए प्रत्येक नागरिक के नैतिक दायित्वों को रेखांकित करता है। यह प्रावधान महिलाओं के प्रति सम्मान और गरिमा की संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, नागरिकों से महिलाओं को अपमानित करने या उनके साथ भेदभाव करने वाली प्रथाओं को खत्म करने का आग्रह करता है। इस बारे में सभी को पता होना चाहिए।

स्नेह-दुलार भरी प्यारी-सी झप्पी

यह सही है कि बच्चे, शब्दों से ज्यादा चेहरे के एक्सप्रेशन और शारीरिक हावभाव से स्नेह जताने की भाषा को समझते हैं। इसीलिए घर के मासूम सदस्यों को गले लगाकर प्यार जताना जरूरी है। बात उनकी उपलब्धि पर खुश होने की हो या सीख-समझ रहे अच्छे विचारों से प्रभावित होकर शाबासी देने की। बड़ों को अपने मनोभाव खुलकर जाहिर करने चाहिए। हमारे परिवारों में इन छोटे सदस्यों के काम में मीनमेख निकालने हिदायतें देने का चलन तो खूब है पर स्नेह लुटाने में जरा कोताही देखने को मिलती है। जरूरी हैं कि दादा-दादी हों या पैरेंट्स, बच्चों को प्यार से गले लगाकर झप्पी देते रहें।

उपलब्धियों के अवसर पर: बच्चों की उपलब्धियों को सेलिब्रेट करना उतना मायने नहीं रखता, जितना उन्हें गले लगाकर स्नेह जताना। घर के सभी बड़े सदस्य ऐसे मौकों पर बच्चों को अपने आलिंगन की स्नेहभरी सुरक्षा का एहसास अवश्य करवाएं। असल में बच्चों को यूं खुशी से गले लगाने का भाव बिन बोले भी बहुत कुछ कह जाता है। बेहतरी की राह पर आगे बढ़ते बच्चों की तारीफ के लिए कभी-कभी शब्द कम पड़ते हैं। बड़ों की आंखें ही नहीं उनका मन भी भर आता है। ऐसे में एक स्वीट हग बेहद प्यार भरा एक्सप्रेशन होता है। खेल हो या पढ़ाई, कला हो या अच्छी जीवनशैली का निर्वहन। 'अच्छा है', 'बढ़िया किया', 'सही दिशा में जा रहे हो,' भर कह देना काफी नहीं। एक भरपूर जुड़ाव भरा एक्सप्रेशन बच्चों के लिए बेहद जरूरी है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का अध्ययन कहता है कि बच्चों को गले लगाने से उनके सही विकास जुड़े हार्मोस के सामान्य स्तर को बढ़ावा मिलता है। इससे न केवल भावनात्मक संबंध मजबूत होते हैं बल्कि उनके आत्मविश्वास का धरातल भी पक्का होता है। इसीलिए चुनौतीपूर्ण समय में ही नहीं, उपलब्धियों के दौर में भी बच्चों को गले अवश्य लगाएं।

नाराजगी का मौका: पैरेंट्स कभी-कभार अपनी व्यस्तता की वजह से बच्चों को झिड़क देते हैं तो कभी जरूरत से ज्यादा रोक-टोक करने के बाद खुद को गलत पाते हैं। ऐसी बातें बालमन को ठेस पहुंचाती हैं। ऐसे में बच्चों की नाराजगी दूर करने के लिए यह सहयोगात्मक स्पर्श बेहद आवश्यक है। देखा जाए तो गले लगाने का सीधा सा अर्थ है परवाह करना। मन से जुड़े रहना। सुखद है कि नाराज होने पर अकेला छोड़ देने के बजाय परवाह भरे जुड़ाव की यह सोच बच्चों की सेहत भी संवारती है। गले लगाने से बच्चों को पॉजिटिव सोच की सौगात मिलती है। मूड अच्छा रहता है। कोर्टिसॉल हार्मोन का स्तर कम होने से तनाव दूर होता है। इस नेह भरे स्पर्श से बच्चों को बहुत से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं।

हम बड़े-बड़े अधिकारों की बात करते है, लेकिन अपने सबसे पहले अधिकार मी टाइम को भूल जाते है, जो हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। इसमें हमारी खुशी भी निहित है। हम मी टाइम कैसे निकाले, जानिए।

हमारा पहला अधिकार मी टाइम

एक समय वह था, जब महिलाओं की जिंदगी सिर्फ घर और परिवार के इर्द-गिर्द ही होती थी। लेकिन आज वक्त बदल चुका है। अब महिलाएं घर-परिवार के साथ, अपने करियर अपनी प्रोफेशनल लाइफ को भी मैनेज कर रही हैं। लेकिन इन दोहरी जिम्मेदारियों को पूरा करने में महिलाएं अकसर अपने लिए वक्त निकालना भूल जाती हैं। यह उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। वर्किंग वूमेन, ऑफिस के साथ-साथ घर भी संभालती हैं, जो काफी चैलेंजिंग है। इन दोनों कामों के बीच फंसे रहने के कारण वे खुद को समय नहीं दे पाती हैं और काफी स्ट्रेस में रहती हैं, जिसकी वजह से उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बुरी तरह से प्रभावित होता है। इसलिए जिंदगी की भाग-दौड़ के बीच घर-परिवार के लिए सब कुछ करने वाली महिलाओं का खुद के लिए 'मी टाइम' निकालना बहुत जरूरी है। यह कैसे संभव है,जानिए-

मी टाइम के लिए झिझकें नहीं: कई बार महिलाएं अपने लिए समय निकालने, अपने मन का करने से झिझकती हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि लोग उन्हें जज करेंगे। ऐसा न सोचें, दूसरों को खुश रखने या फिर खुद के सपनों को पूरा करने के लिए खुद को खुश रखना, सबसे पहले जरूरी है। क्योंकि अगर आप खुश नहीं हैं तो इसका असर आपके मूड, सेहत और काम पर भी होगा। इसलिए 'मी टाइम' हर महिला को निकालना चाहिए। इसके लिए उन्हें टाइम मैनेजमेंट करके लाइफ को बैलेंस करने की आर्ट आनी चाहिए।

समय को मैनेज करें: अपने लिए समय निकालने के लिए जरूरी है कि महिलाएं सबसे पहले समय को मैनेज करना सीखें। हर काम को एक निश्चित समय दें और उसी के आधार पर काम करें।

काम को बांटें: महिलाओं के साथ एक बड़ी समस्या यह होती है कि वे घर के सारे काम खुद करना चाहती हैं। लेकिन अगर वे वर्किंग हैं तो घर के काम परिवार के सदस्यों के साथ शेयर करें, इस तरह उन पर काम का बोझ कम होगा, जिससे खुद के लिए समय मिलेगा और स्ट्रेस के स्तर में भी कमी आएगी। छुट्टी वाले दिन भी घर के सारे काम खुद न करें बल्कि परिवार के अन्य सदस्यों से मदद लें।

मन को रिलैक्स रखें: ऑफिस और घर दोनों की जिम्मेदारियों को संभालते हुए जरूरी है कि वर्किंग वूमेन, खुद को रिलैक्स रखकर मन को शांत रखें। देखा जाता है महिलाएं हर काम में अपना बेस्ट देने की कोशिश में वो अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देती हैं। ऐसे में मन शांत रखने के लिए वे योगा, मेडिटेशन जैसी एक्टिविटी कर सकती हैं।

किचेन में बहुत ज्यादा टाइम न दें: कुछ महिलाएं खाने में सबकी पसंद का बनाने के चक्कर में किचेन में बहुत ज्यादा टाइम लगा देती हैं। ऐसे में वे कुछ ऐसी डिश बना सकती हैं, जिसे बनाने में ज्यादा समय न लगे।

मी टाइम में करें मनचाहा काम

सभी के लिए 'मी टाइम' का मतलब अलग-अलग हो सकता है। मसलन हो सकता है किसी को म्यूजिक सुनना पसंद हो, किसी को डांस करना, किसी को पेंटिंग करना या कुछ और 'मी टाइम' में सिर्फ वही काम करें, जो आपको खुशी दें।

बच्चे होली, दीपावली तो उत्साह-उमंग से मनाते ही हैं, लेकिन उनके मन में अपने देश के प्रति सम्मान के भाव पनपे, इसके लिए आपको उन्हें अपने राष्ट्रीय पर्वों के बारे में प्यार से जरूर समझाना चाहिए। इससे उनके मन में देश के प्रति सम्मान का भाव विकसित होगा।

बच्चों को जरूर बताएं राष्ट्रीय पर्वों की महत्ता

आज के दौर में भले बच्चों की लगभग हर जिज्ञासा का हल गूगल के पास मिल जाता हो, लेकिन बच्चों के दिल या दिमाग में कुछ बातें गूगल या महज किताबों के जरिए समझ नहीं आतीं। ऐसी बातों और जानकारियों से बच्चों का दिल और दिमाग का रिश्ता तभी बनता है, जब उन्हें ये सब उनके मम्मी-पापा, दादी-दादा, नानी-नाना या परिवार के कोई भी बड़े-बूढ़े स्नेहिल भाव भंगिमाओं के साथ बताते-समझाते हैं। देश के इतिहास और संस्कृति से जुड़ी कई बातें ऐसी ही होती हैं, जो बच्चों को सिर्फ किताबों या सोशल मीडिया के जरिए नहीं समझ में आती हैं। इसलिए चाहे यह जितना बड़ा सूचना और संचार का युग हो, सभी पैरेंट्स को चाहिए कि वे अपने छोटे बच्चों को गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, 2 अक्टूबर जैसे राष्ट्रीय पर्वों के मनाए जाने के पीछे की वजहों को भी जरूर बताएं।

समझाएं आजादी के मायने-महत्ता: सवाल है आखिर राष्ट्रीय पर्वों के मौके पर आप अपने छोटे बच्चे को क्या और कैसे बताएं? इसके लिए अपने बच्चों को गंभीरता के साथ पहले यह बताना और समझाना चाहिए कि हम हर साल स्वतंत्रता दिवस क्यों मनाते हैं और उस स्वतंत्रता दिवस के बाद गणतंत्र दिवस क्यों मनाया जाता है? आपको अपने छोटे बच्चों को बताना चाहिए कि हमारे पूर्वजों ने कैसे अंग्रेजों की गुलामी के खिलाफ लंबे समय तक संघर्ष किया था? कैसी-कैसी तकलीफें भोगी थीं? इससे ही छोटे बच्चों के दिल-दिमाग में यह समझ पैदा होगी कि आजादी का क्या महत्व होता है और हमारे पुरखों ने हमें आजाद माहौल में सांस लेने के लिए क्या-क्या कष्ट उठाए थे? तभी बच्चों को आजादी का महत्व समझ में आएगा और अपने पूर्वजों पर गर्व महसूस होगा।

बताएं स्वाधीनता सेनानियों का योगदान: छोटे बच्चों को यह जरूर बताना चाहिए कि देश के इतिहास में महात्मा गांधी, सुभाषचंद्र बोस, जवाहरलाल नेहरू, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह जैसे स्वतंत्रता सेनानियों का कितना बड़ा योगदान था? इसलिए हमें अपनी आजादी के साथ जरा भी गैरजिम्मेदारी नहीं बरतनी चाहिए। अपने छोटे बच्चों को यह भी बताना चाहिए कि कैसे आजादी की लड़ाई में सभी हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाईयों, पारसियों, बौद्धों, जैनों यानी हर भारतवासी ने कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष किया था। तब कहीं जाकर लाखों बलिदानों के बाद हमें यह आजादी मिली है। इसलिए हमें इसका सम्मान करना चाहिए। हमें अपने छोटे बच्चों को यह भी बताना चाहिए कि देश का ख्याल रखना और अच्छा नागरिक बनना किस तरह अपने पुरखों के प्रति सम्मान है, जिन्होंने हमें आजादी दिलाने के लिए खुद को आजादी के लिए लड़ी गई जंग में कुर्बान कर दिया था।

निश्चित रूप से बड़े होकर बच्चे इतिहास की किताबों में आजादी की लड़ाई के तमाम दस्तावेजी ब्यौरे और लंबी कहानियां और संविधान निर्माण के बारे में पढ़ेंगे, जानेंगे। लेकिन अगर बचपन से हम उन्हें छोटे-छोटे माध्यमों के जरिए यह सब बताते रहे तो एक उम्र में पहुंचकर उन्हें न सिर्फ देश से प्यार करेंगे, एक सजग नागरिक के तौर पर अपने कर्त्तव्यों का पालन भी करेंगे।

गणतंत्र दिवस की महत्ता भी बताएं

अपने बच्चों को आजादी के बाद देश के गणतंत्र बनने और उसकी महत्ता के बारे में जरूर बताएं। उन्हें देश के नागरिक के तौर पर प्राप्त अधिकारों के साथ ही मौलिक कर्तव्यों के बारे में भी बताएं। संविधान निर्माण की प्रक्रिया उसके निर्माण में भूमिका निभाने वाले विद्वानों के बारे में भी बच्चों को पता होना चाहिए। इसे भी रोचक ढंग से आपको उन्हें बताना चाहिए।

सीएम भजनलाल ने महाकुंभ में लगाई आस्था की डुबकी

प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि के लिए की मंगलकामनाएं

जयपुर (जनमार्ग न्यूज)। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में 144 साल बाद आयोजित महाकुंभ में श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। देश-दुनिया से श्रद्धालु संगम नगरी में आस्था की डुबकी लगाने के लिए पहुंच रहे है। इसी कड़ी में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को प्रयागराज पहुंचे। जहां उन्होंने आज संगम घाट पहुंचकर पवित्र स्नान किया। साथ ही सीएम ने लेटे हुए हनुमान जी महाराज के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा की। इसके बाद सीएम प्रदेश के मंडपम का जायजा एवं संतो का सम्मान भी करेंगे। इससे पहले सीएम भजनलाल ने शनिवार की देर रात राजस्थान पैवेलियन का निरीक्षण किया। श्रद्धालुओं के लिए बनाए गए पंडालों और प्रचार-प्रसार से जुड़ी आकर्षक फोटो और रोचक ऑडियो-विजुअल सामग्री को देखा। साथ ही श्रद्धालुओं के ठहरने की शानदार व्यवस्थाओं पर प्रसन्नता जताई। इस दौरान राजस्थान के पूर्व संगठन महामंत्री और वर्तमान में तेलंगाना राज्य के संगठन महामंत्री चंद्रशेखर मौजूद रहे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संगम में आस्था की डुबकी लगाने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा : प्रयागराज में आस्था, श्रद्धा और एकता के महासमागम 'महाकुम्भ-2025' में पवित्र त्रिवेणी संगम पर आस्था की पावन डुबकी लगाने का अनुपम सौभाग्य प्राप्त हुआ। तत्पश्चात, लेटे हुए हनुमान जी महाराज के दिव्य दर्शन एवं पूर्ण विधि-विधान से पूजन-अर्चना कर समस्त प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, मंगलमय एवं आरोग्यमय जीवन हेतु प्रार्थना की।'

इस बार महाकुंभ विशेष क्यों: प्रयागराज में महाकुंभ-2025 को लेकर श्रद्धालुयों की भक्ति-भाव को देखते हुए लगभग 400 मिलियन भक्तों के आने की उम्मीद जताई जा रही है। बता दें कि 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक भारत के उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में त्रिवेणी संगम पर आयोजित किया जा रहा है। 12वां कुंभ मेला होने की वजह से इसे विशेष महाकुंभ मेला माना जा रहा है। क्योंकि यह मेला चक्रों के पूरा होने का प्रतीक है, ऐसा अवसर 144 साल बाद आया है।

काव्य गोष्ठी में धूप, हवा, सूरज और प्रीत-प्यार के महत्व को किया उजागर

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। गंगानगर कला मंच की काव्य गोष्ठी रविवार दोपहर अरोड़वंश पब्लिक स्कूल के प्रांगण में बनवारी लाल वर्मा 'बन्नी' की अध्यक्षता में आयोजित की गई। गोष्ठी के विशिष्ट अतिथि कवि संदेश त्यागी थे। सर्वप्रथम माँ सरस्वती को नमन किया गया। राकेश कुमार ने वृक्ष और पक्षी के प्रेम पर आधारित कविता से काव्य गोष्ठी का आगाज किया। 'संघर्ष मार्ग का राही मैं, विश्राम नहीं चाहूंगा...' बी.एस. चौहान की कविता थी। इसके बाद राजकुमार सिंगल व सुरेश कनवाडि?ा ने प्रभावी ढंग से कविता का लयबद्ध पाठ किया। युवा कवि व छात्र शेरिफ गेरा ने पहली बार किसी मंच पर पंजाबी में कविताओं का पाठ किया। उनकी प्रेममयी कविता की दो पंक्तियां थी - 'थल्ले होवे फुल्लां दी चादर, उत्ते खुल्ला आसमान होवे..'। राजकुमार सिंगल, रामचन्द गढ़ई तथा सुमन कुमार अनाड़ी ने कविता 'कैद कर लो इन ठंडी हवाओं को किसी बंद कमरे में...' सुनाकर तारीफ बटोरी। इसी कड़ी में डॉ. कृष्ण कुमार 'आशु' ने अपनी राजस्थानी कविताओं के माध्यम से देशभक्ति के विभिन्न रूपों पर प्रकाश डाला। मनोज

कुमार 'मनवा' ने कविता द्वारा मकर संक्रांति पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला। युवा शायर सत्यपाल जोईया ने अपनी गजल व शेरों-शायरी से समां बांधा। उनकी गजल 'मैं एक अच्छा लड?ा हूँ...' ने खूब तारीफ बटोरी। मंच की महासचिव ऋतु सिंह ने छोटी बहर में अपनी गजलों को सुनाया, जिसमें मुख्यत॰ 'इश्क सबको मत बताइये, रूख पे रौनके छुपाइये...'। युवा शायरा अवलीन ने 'आज की लड़कियों के नाम...' अपनी नज़्म पेश कर वाहवाही लूटी। काव्य गोष्ठी में मंच संचालन करते हुए साहित्यकार मदन अरोड़ा ने कविता 'जैसी चाहते हो, वैसी ही मिले आपको सुख-समृद्धि और शांति, मुबारक हो आपको नया वर्ष, लोहड़ी और मकर संक्रांति...' द्वारा सभी कवियों तथा साहित्यप्रेमियों को नववर्ष, मकर संक्रांति, लोहड़ी व महाकुंभ की शुभकामनाएं दी। दो घंटे तक खुशनुमा माहौल में चली इस काव्य गोष्ठी का समापन गंगानगर कला मंच के उपाध्यक्ष बन्नी जी की गजल 'जिंदगी हम तेरे वफादार हो गए...' के साथ हुआ। कवियों ने अपनी रचनाओं द्वारा धूप, हवा, सूरज और प्रीत-प्यार के महत्व को बखूबी उजागर किया। कार्यक्रम के अंत में ठंडक भरे वातावरण में सभी ने मूंगफली, रेवड़ी, गजक का लुत्फ उठाया। इस अवसर पर गंगानगर कला मंच पदाधिकारी, सदस्य एवं साहित्यप्रेमी उपस्थित थे।

चार दिवसीय सालाना उर्स शुरू

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। हजरत पीर गरीब साहब बाबा रहमतुल्लाह अलय का चार दिवसीय सालाना उर्स झंडा की रस्म के साथ शुरू किया गया। इंतजामिया कमेटी, मुस्लिम वक्फ कमेटी, अंजुमन कमेटी द्वारा दरगाह हजरत पीर गरीब शाह बाबा रहमतुल्लाह अलय वार्ड नंबर 41 पठानों का मोहल्ला में 19 से 22 जनवरी तक आयोजित होगा। चुनगरान मोहल्ला से असगर अली चुनगर परिवार की तरफ से ढोल नगाड़ों के साथ झंडा जुलूस निकालकर दरगाह में झंडा लगाने की रस्म अदायगी के अवसर पर शहर काजी मौलाना गुलाम कादिर कादरी, जिला इमाम कारी मौलाना आफताब आलम अशरफी, हाफिज सलीम, हाफिज गुलाम यासीन, मौलाना कमरुद्दीन ने सलातो सलाम के बाद सलामती की दुआ मांगी कर शीरनी प्रसाद वितरण किया। इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद अली पठान, वक्फ कमेटी के अध्यक्ष गुलाम मोहम्मद पठान, अंजुमन कमेटी के अध्यक्ष वली मोहम्मद, गरीब शाह इंतजामिया कमेटी के जावेद पठान, परवेज पठान, आसिफ पठान, आमान पठान, मोहम्मद अकबर पठान, सलीम पठान, शाजीद पठान, अहमद अली, मकसूद अली, छोटे खान, ताज मोहम्मद, फतेह शेर खान, बाबू खान मिर्जा ने झंडा चढ़ाने की रस्म अदायगी करके चार दिवसीय सालाना उर्स का शुभारंभ किया। इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद अली पठान ने बताया सोमवार को रात्रि 9॰00 बजे मदनी उलेमा की नात शरीफ प्रोग्राम में तकरीर पेश की जाएगी। मंगलवार 21 जनवरी को दोपहर 11॰30 बजे कुरान खानी के बाद दोपहर 2॰00 बजे तक लंगर भंडारा होगा। शाम को 5॰00 बजे इंतजामिया कमेटी व अंजुमन कमेटी की तरफ से धूमधाम से ढोल नगाड़ों के साथ चद्दर चढ़ाने की रस्म अदायगी होगी। रात्रि 9॰00 बजे मदनी उल्लेमाओं द्वारा तकरीर का प्रोग्राम होगा। 22 जनवरी बुधवार को रात्रि 9॰00 बजे महफिल ए मिलाद व तकरीर के बाद कुलों के छिंटों की रस्म अदायगी के उलेमाओं द्वारा देश की एकता अखंडता अमन चैन और खुशहाली की दुआ मांगने के साथ शीरनी का प्रसाद वितरण करके समापन किया जाएगा ।

भामसं की प्रदेश स्तरीय बैठक सम्पन्न

❑ निधि समर्पण, श्रमिक सम्पर्क अभियान सहित विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा ❑ भारतीय मजदूर संघ के कार्यालय व बैठक हेतु नि:शुल्क स्थान उपलब्ध करवाने की घोषणा

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। भारतीय मजदूर संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक रविवार को सुखाड़िया सर्किल के समीप आयोजित की गई। जिला मंत्री राजीव वर्मा ने बताया कि जश्न गेस्ट हाऊस में हुई इस बैठक में प्रदेश प्रचारक राजेश सीवी, भारतीय मजदूर संघ के महाराष्ट्र, विदर्भ, गुजरात एवं राजस्थान प्रांत के क्षेत्रीय संगठन मंत्री व प्रदेश महामंत्री भारतीय हरिमोहन शर्मा तथा प्रदेशाध्यक्ष राजेन्द्र डाबी सहित केन्द्रीय व प्रदेश पदाधिकारी शामिल हुए। आंगनबाड़ी संघ अध्यक्ष सीता स्वामी, मंजू स्वामी व कुलविन्द्र कौर द्वारा सर्वप्रथम अतिथियों का तिलक लगाकर अभिनंदन किया गया। संरक्षक श्रवण सिंह, जिलाध्यक्ष कुलविन्द्र ग्रेवाल, जिला मंत्री राजीव वर्मा,

संगठन मंत्री बुधराम यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जीपी सिंह अरनेजा, उपाध्यक्ष मुकेश वधवा, कोषाध्यक्ष दयानंद वर्मा आदि जिला कार्यसमिति पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों को भारतीय मजदूर संघ का पटका पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

इस मौके पर उपाध्यक्ष मदन बरावड़, गुरमीत सिंह, राकेश झाझड़ा, अवतार सिंह, राकेश वर्मा, भवन निर्माण से लालचन्द जलंधरा, गोपीराम झटवाल, विनोद घोड़ेला, भवन निर्माण संघ अध्यक्ष ताराचन्द माहर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जीपी सिंह, इन्द्राज सोखल सहित जिला पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य मौजूद रहे।

बैठक में निधि समर्पण अभियान, श्रमिक सम्पर्क अभियान सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई तथा संगठन एवं श्रमिक हित में कार्य करे हुए राष्ट्र हित को सर्वोपरि मानने पर बल दिया गया। बैठक में भारतीय मजदूर संघ की रीति-नीति एवं विचारधारा तथा श्रमिक हित में किए जा रहे कार्यों से प्रभावित होकर उपाध्यक्ष मुकेश वधवा द्वारा जश्न गेस्ट हाऊस में भारतीय मजदूर संघ के कार्यालय व बैठक हेतु एक कमरा निःशुल्क उपलब्ध करवाने की घोषणा की गई। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ तथा सम्बद्ध संगठनों के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

पवन नंदीवाल एनएसयूआई प्रदेश महासचिव नियुक्त

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के समर्पित सक्रिय कार्यकर्ता पूर्व जिलाध्यक्ष पवन नंदीवाल को राजस्थान प्रदेश महासचिव तथा बीकानेर सम्भाग सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। एनएसयूआई कार्यकर्ता दीपक वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार, राष्ट्रीय अध्यक्ष वरूण चौधरी, प्रदेश प्रभारी साहिल शर्मा, अखिलेश यादव तथा प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ द्वारा राष्ट्रीय छात्र संगठन एनएसयूआई की राजस्थान इकाई में संगठनात्मक फेरबदल करते हुए सम्भाग तथा जिला प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। इसी के तहत छात्र हितों की रक्षा के लिए संघर्षरत युवा कार्यकर्ता पवन नंदीवाल को प्रदेश महासचिव तथा बीकानेर सम्भाग सह प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है। नवनियुक्त प्रदेश महासचिव तथा बीकानेर सम्भाग सह प्रभारी पवन नंदीवाल ने अपनी नियुक्ति पर राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार, राष्ट्रीय अध्यक्ष वरूण चौधरी, प्रदेश प्रभारी साहिल शर्मा, अखिलेश यादव तथा प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ का आभार व्यक्त करते हुए पूर्व से और अधिक सक्रिय होकर संगठन एवं छात्र हित में कार्य करते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ करने तथा संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का विश्वास दिलाया है। वहीं, पवन नंदीवाल को प्रदेश महासचिव तथा बीकानेर सम्भाग सह प्रभारी बनाने पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं में खुशी में लहर दौड़ गई तथा चहुंओर उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

छात्राओं ने भूगोल प्रायोगिक सर्वे भ्रमण के तहत भारत-पाक बॉर्डर व ग्रामीण क्षेत्र का किया भ्रमण

छात्राओं में देशभक्ति का जज्बा हुआ मजबूत

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। एस.जी.एन. गर्ल्स कॉलेज, केसरीसिंहपुर द्वारा छात्राओं के भूगोल प्रायोगिक सर्वेक्षण के तहत श्रीगंगानगर जिले के समीपवर्ती 10 एच सुंदरपुरा स्थित भारत-पाक बॉर्डर भ्रमण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालयी छात्राओं ने कार्यवाहक प्राचार्य श्रीमती जसवीर कौर के नेतृत्व में उत्साहपूर्वक बॉर्डर का भ्रमण किया। इस मौके पर कम्पनी कमांडर असिस्टेंट कमानेन्ट सुरेश मीणा एवं आर्मी अधिकारी राजेश कुमार ने बॉर्डर पर देश की सुरक्षा व्यवस्था हेतु जवानों के योगदान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इसके बाद छात्राओं के दल ने भूगोल व्याख्याता जसकरण सिंह एवं सुंदरपुरा गांव के गुरदीप सिंह धालीवाल, लखवीर सिंह, स. हरबंश सिंह, जलंधर सिंह व गुरमीत सिंह के नेतृत्व में सुंदरपुरा गांव का सर्वे करने के साथ-साथ भौगोलिक स्थिति की जानकारी हासिल की तथा स्थानीय संस्कृति व ग्रामीण परिवेश को करीब से देखा व समझा। ग्रामवासियों की सादगी की छात्राओं ने मुक्तकंठ से सराहना की तथा शैक्षिक भ्रमण को अत्यंत लाभदायक बताते हुए कहा कि इससे उनमें देशभक्ति का जज्बा मजबूत हुआ है। कार्यक्रम के अंत में कार्यवाहक प्राचार्य श्रीमती जसवीर कौर ने बॉर्डर भ्रमण में सहयोग के लिए सैन्य अधिकारियों के साथ-साथ ग्रामीणों द्वारा जलपान की व्यवस्था करने एवं सर्वे में सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। शैक्षिक भ्रमण में महाविद्यालय की 44 छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर व्याख्याता राजेन्द्र कुमार वर्मा, अक्षय सैनी, सेजल मैम, सहदिल मैम, जसवीर लाल फोटोग्राफर, श्रीमती जसवंत कौर, मंघा सिंह सहित महाविद्यालय स्टाफ सदस्य, सैन्य अधिकारी, जवान एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

संविधान गौरव अभियान के लिए प्रदेश स्तरीय समिति का गठन

जनमार्ग न्यूज

रावतसर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह राठौड़ के निर्देशानुसार संविधान गौरव अभियान के लिए प्रदेश स्तरीय समिति का गठन किया गया है जिसमें गोरधन वर्मा विधायक को संयोजक बनाया गया है और सुनील कोठारी पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा कैलाश मेघवाल, राजेंद्र सिंह शेखावत बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक, सौरभ सारस्वत प्रदेश संयोजक विधि प्रकोष्ठ भाजपा, जगदीश देवासी पूर्व प्रदेश मंत्री, अंकित चेची प्रदेश अध्यक्ष भाजयूमोर्चा, श्री राम दुसेजा आई.टी.सेल जयपुर संभाग संयोजक को सदस्य बनाया गया है

पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर लगाया

जनमार्ग न्यूज

रावतसर। मिलनसार,हंसमुख व्यक्तिव के धनी स्वर्गीय नारायण सिंह सुड्डा पूर्व सरपंच 4 सीएम ग्राम पंचायत की प्रथम पुण्यतिथि पर रक्त दान शिविर का आयोजन 25 जनवरी शनिवार को किया गया है यह आयोजन श्री खेत्रपाल ईट उद्योग चक चार 4 सीएम मालूराम बिजानिया चक रोड पर आयोजित किया गया है।

`जनमार्ग पढ़ें
ताजा खबरें
ज्यादा खबरें

पेंशनर समाज सचिवालय उप शाखा का समारोह सम्पन्न

❑ पेंशनर समाज प्रदेश भर में पेंशनरों को निकाय पंचायत चुनाव में उतरेगा

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर / जयपुर। आज राजस्थान पेंशनर समाज उप शाखा शासन सचिवालय जयपुर का वार्षिक अधिवेशन एवम् सम्मान समारोह राज्य स्तरीय पेंशनर भवन में समारोहपूर्वक मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि राजस्थान पेंशनर समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री शंकर सिंह मनोहर थे अध्यक्षता सचिवालय उप शाखा अध्यक्ष एवं संभागीय मंत्री श्री भगवान सहाय मीणा ने की। राजस्थान पेंशनर समाज के प्रदेश महामंत्री किशन शर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री देवी राम गुप्ता, संयुक्त महामंत्री एवम् जिलाध्यक्ष जयपुर श्री जी के मीणा विशिष्ट अतिथि थे। समारोह में पेंशनरों की समस्याओं पर चर्चा के साथ भामाशाहों को सम्मानित किया गया। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष शंकर सिंह मनोहर ने कहा कि पेंशनर समाज निकाय व पंचायत चुनावों में अधिक से अधिक पेंशनरों को चुनाव मैदान में उतार कर उन्हें जिताने का प्रयास करेगा इसमें किसी राजनैतिक दल की बाध्यता नहीं रहेगी पेंशनर किसी भी दल से चुनाव लड़ेगा पेंशनर समाज उसके साथ रहेगा ।सभा को प्रदेश महामंत्री किशन शर्मा, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक सिंह चंदेल जिलाध्यक्ष जी के मीणा ने संबोधित किया। उप शाखा अध्यक्ष श्री मीणा ने प्रारंभ में सभी का स्वागत किया उप शाखा महामंत्री प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सचिव श्री अशोक सिंह चंदेल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज के करण वाल्मीकि जिला उपाध्यक्ष नियुक्त

प्रदेशाध्यक्ष अनिल धारीवाल ने करण वाल्मीकि द्वारा समाज हित में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के मद्देनजर सौंपा दायित्व

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष अनिल धारीवाल ने समाज के प्रबुद्ध व वरिष्ठ सदस्यों से विचार-विमर्श के पश्चात् सक्रिय व ऊर्जावान कार्यकर्ता करण वाल्मीकि को श्रीगंगानगर जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। करण वाल्मीकि द्वारा समाज हित में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के मद्देनजर उक्त दायित्व सौंपा गया है। नगर परिषद स्थित सफाई कर्मचारी यूनियन कार्यालय में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में पूर्व सभापति श्याम धारीवाल, सफाई कर्मचारी यूनियन अध्यक्ष उमेश वाल्मीकि, भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज राष्ट्रीय निर्देशक मदन सिरसवाल, प्रदेशाध्यक्ष अनिल धारीवाल, सम्भागीय अध्यक्ष रमेश बंसल, जिलाध्यक्ष बन्टी भाटिया वाल्मीकि, नगर अध्यक्ष विजय दानव, नगर महामंत्री आर्यन भारती, सीताराम सारसर, सतीश वाल्मीकि, देव धारीवाल, ऋषि वाल्मीकि, नीरज वाल्मीकि, अभिषेक घारू, सिकंदर भाटिया सहित भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज के कार्यकर्ताओं तथा वाल्मीकि समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष करण वाल्मीकि को फूलमालाएं पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष करण वाल्मीकि ने अपनी नियुक्ति पर भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज राष्ट्रीय निर्देशक मदन सिरसवाल, प्रदेशाध्यक्ष अनिल धारीवाल सहित वाल्मीकि समाज के प्रबुद्ध नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए पूर्व से और अधिक सक्रिय होकर समाज हित में कार्य करने का विश्वास दिलाया है। उनकी नियुक्ति पर वाल्मीकि समाज में भारी उत्साह का वातावरण देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में वाल्मीकि समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मेलन में शिक्षकों की मांगों पर हुआ मंथन

❑ मोहर सिंह सलावद रेसटा के निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित ❑ मांग पत्र तैयार करके राज्य सरकार व शिक्षा अधिकारियों को भेजा जाएगा मांग पत्र

श्रीगंगानगर। शिक्षक संघ एलिमेंट्री सेकेंडरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) राजस्थान के दो दिवसीय राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मेलन के दूसरे दिन प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद की अध्यक्षता व भारतीय स्टेट बैंक पब्लिक पार्क के मुख्य प्रबंधक महेंद्र मीणा के आतिथ्य में बिश्नोई धर्मशाला में खुला सत्र आयोजित हुआ। सम्मेलन की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। सम्मेलन में प्रथम दिन अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी शहर जिलाध्यक्ष विजय कुमार आचार्य,केंद्रीय वस्तु एवं सेवाकर के सहायक आयुक्त आईआरएस भूपेंद्र छीपा,अतिरिक्त निदेशक माध्यमिक शिक्षा निदेशालय (प्रशासन) रणजीत सिंह,अतिरिक्त निदेशक प्रारंभिक शिक्षा राजकुमार शर्मा,संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा बीकानेर संभाग गोविंद नारायण माली,संयुक्त निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय टीमाराम मीणा, उप निदेशक माध्यमिक शिक्षा निदेशालय डॉ.रामगोपाल शर्मा,मुख्य प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक पब्लिक पार्क बीकानेर महेंद्र मीना,महंत लालेश्वर महादेव मंदिर शिवबाड़ी गुरुदेव स्वामी विमर्शा नंद गिरी की गरिमामय उपस्तिथि रहे। दूसरे दिन सम्मेलन के खुले सत्र में जिसमें राज्य भर से आए शिक्षकों ने अपनी मांगो से अवगत करवाया। प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद व प्रदेश कोषाध्यक्ष श्याम सुन्दर बिश्नोई ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा की संस्कारवान शिक्षा देना शिक्षक का महत्वपूर्ण कर्तव्य है और इस कर्तव्य को हम सभी को बखूबी निभाना है । संगठन महामंत्री नवल सिंह मीना द्वारा संगठन वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। अंत में कार्यक्रम संयोजक सीताराम डूडी व सह संयोजक पवन शर्मा ने आए हुए मेहमानों का आभार व्यक्त किया एवं कहा कि आपकी समस्त मांगों को राज्य सरकार व शिक्षा विभाग के अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। सम्मेलन में राजस्थान के सभी जिलों से हजारों की संख्या में शिक्षकों ने भाग लिया। इन दो दिनों में शिक्षा,शिक्षक एवं शिक्षार्थी सहित तृतीय श्रेणी शिक्षको सहित सभी संवर्गो के तबादले करने,अध्यापक से वरिष्ट अध्यापक व वरिष्ट अध्यापक से व्याख्याता बकाया पदोन्नति जल्द करवाने,उप प्राचार्य की सीधी भर्ती ,शिक्षक सम्मेलनों में शिक्षकों की शत प्रतिशत उपस्तिथि अनिवार्य करने,पुरानी पेंशन योजना लागू कर एनपीएस खातों में जमा राशि जीपीएफ खातों में जमा करने,शिक्षकों के सभी केडरो की विसंगतियां दूर करने,खेमराज कमेटी की सिफारिश को सार्वजनिक करने, ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत सभी शिक्षकों को मूल वेतन का 10 प्रतिशत ग्रामीण भत्ता देने,स्थाई व पारदर्शी शिक्षक स्थानांतरण नीति जारी कर लागु करने,नव क्रमोन्नत उच्च माध्यमिक विद्यालयों में वरिष्ठ अध्यापकों व व्याख्याताओं के पद सृजित करने,कंप्यूटर अनुदेशकों का केडर संशोधन व वेतन विसंगति दूर करने,शिक्षक सम्मान की प्रक्रिया में आवेदन करने वाले सभी शिक्षकों के समस्त दस्तावेजो को ऑनलाइन करने, शिक्षक सुरक्षा अधिनयम बनाए जाने,सम्मेलन में विभिन्न शैक्षिक मुद्दों, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020,शिक्षा के समक्ष विभिन्न चुनौतियों,शिक्षक तथा विद्यार्थियों के मुद्दों पर विचार मंथन किया गया। मंच संचालन मदन मोहन मोदी व पवन कुमार राठी द्वारा किया गया। सम्मेलन के दूसरे दिन शिक्षक संघ रेसटा के वार्षिक चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए जिसमें लगातार पांचवी बार उपखंड के गांव सलावद निवासी वरिष्ट अध्यापक मोहर सिंह सलावद निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित हुए ।प्रदेश कार्यकारणी में प्रदेश संरक्षक सफी मोहम्मद मंसूरी ,प्रदेश महामंत्री नवल सिंह मीना,प्रदेश वरिष्ट उपाध्यक्ष मंशाराम खिजुरी,प्रदेश प्रवक्ता राजीव चौधरी,प्रदेश कोषाध्यक्ष श्याम सुन्दर बिश्नोई,प्रदेश विधि सहलाकार हनुमान शर्मा,प्रदेश संगठन मंत्री राजेश रेबारी,प्रदेश सभाध्यक्ष काशी सारस्वत आदि भी निर्विरोध निर्चाचित हुए। इस अवसर पर उदयपुर मंडल अध्यक्ष अनीश खान,कोटा मंडल अध्यक्ष पप्पू लाल चंडालिया,जयपुर मंडल अध्यक्ष मोहनलाल बासन वाल,भरतपुर जिलाध्यक्ष दिनेश शर्मा,जिला संरक्षक लेखराज मीणा,राजसमन्द जिलाध्यक्ष लक्ष्मी लाल शर्मा,गंगापुर सिटी जिलाध्यक्ष राजकमल बिनौरी,कोटा जिलाध्यक्ष परमानंद गोठवाल,बारां जिलाध्यक्ष गजराज सिंह मोठपुर,पाली जिलाध्यक्ष कमलेश मीना, दौसा जिलाध्यक्ष सांवल राम सोनड़,चूरू जिलाध्यक्ष रामावतार पबरी,श्रीगंगानगर जिलाध्यक्ष वनीत नारंग,फलोदी जिलाध्यक्ष दुर्गाराम बिरठ,सीकर जिलाध्यक्ष देवी सिंह मीणा,जयपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार मीना,बीकानेर जिलाध्यक्ष सीताराम डूडी सहित बीकानेर जिला कार्यकारणी के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव कुमार यादव,जिला सभाध्यक्ष गोपाल शर्मा,जिला महिला मंत्री हीना मिर्जा,जिला महासचिव शालिनी शर्मा,जिला उपाध्यक्ष सुनील शर्मा,जिला प्रवक्ता अविनाश आशिया,जिला संरक्षक एसएस शर्मा,धीरज बारठ,संतोष कुमार आदि उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वाद-विवाद प्रतियोगिता: खालसा कॉलेज में गूँजे तार्किक तर्क

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्री गुरु नानक खालसा पीजी कॉलेज, श्रीगंगानगर के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 26 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें कुछ ने नीति के पक्ष में तो कुछ ने विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने विषय पर गहन अध्ययन और तैयारी के साथ अपनी प्रस्तुति दी। पक्ष में बोलते हुए विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा के लक्ष्यों, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के समावेश, मातृभाषा में शिक्षा को बढ़ावा देने और भारतीय शिक्षा को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। वहीं, विपक्ष में बोलने वाले विद्यार्थियों ने नीति के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों, ग्रामीण क्षेत्रों में संसाधनों की कमी, और मातृभाषा में शिक्षा के संभावित प्रभाव जैसे मुद्दों को उठाया। कार्यक्रम के आयोजन में शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. नवजोत सिंह और चारों हाउस के प्रभारी व्याख्याताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुखविंदर सिंह ने इस प्रकार के कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि वाद-विवाद प्रतियोगिता न केवल विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन का माध्यम है, बल्कि यह उनकी तार्किक क्षमता और आत्मविश्वास को भी बढ़ाती है। उन्होंने शिक्षा विभाग को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में डॉ. बिन्नी कक्कर, डॉ. अनुप्रिया जैन और श्री मोहित कुमार ने किया। प्रतियोगिता में पक्ष की ओर से प्रथम स्थान किरण (बी.एससी. बी.एड प्रथम वर्ष), द्वितीय स्थान महमूद (बी.एससी. बी.एड द्वितीय वर्ष), और तृतीय स्थान मुस्कान (बी.एससी. बी.एड तृतीय वर्ष) ने प्राप्त किया। वहीं, विपक्ष की ओर से प्रथम स्थान सुमित (बीए बी.एड. प्रथम वर्ष) और द्वितीय स्थान पिंकी (बीए प्रथम बी.एड. वर्ष) ने हासिल किया। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों के लिए एक अद्भुत मंच साबित हुई, जिसने उन्हें शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करने और अपनी तार्किक क्षमता को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया।

जिला स्तरीय मानस नशा मुक्ति नाटक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता

हनुमानगढ़। जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन लगातार प्रयासरत है। जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे मानस नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत महाविद्यालयों में युवाओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को जंक्शन स्थित बेबी हैप्पी मॉडर्न पीजी कॉलेज में जिला स्तरीय मानस नशा मुक्ति नाटक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले माह के प्रथम सोमवार को महाविद्यालय स्तर और द्वितीय सोमवार को ब्लॉक स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री ओ.पी. बिश्नोई ने बताया कि वर्तमान में मानस नशा मुक्ति अभियान प्रत्येक कार्यक्रम का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। जिले में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को देखते हुए इस प्रकार की गतिविधियों की आवश्यकता अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालयों में पढ़ने वाले युवा जिले का भविष्य हैं। महाविद्यालय के स्टाफ की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वे युवाओं को नशे की गिरफ्त में जाने से रोकें।

मिड डे मील वर्कर यूनियन सीटू की बैठक संपन्न, 6 को प्रदर्शन का ऐलान

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। राजस्थान मिड डे मील वर्कर यूनियन सीटू की एक महत्वपूर्ण बैठक आज भगत सिंह यादगार केंद्र, लाल चौक पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता यूनियन की जिला अध्यक्ष कामरेड चंद्र कला वर्मा ने की। इस अवसर पर यूनियन के राज्य महासचिव कामरेड बाबूलाल लुगरिया, राज्य उपाध्यक्ष कामरेड सुमित्रा चोपड़ा, मजदूर नेता कामरेड रामेश्वर वर्मा, जिला अध्यक्ष कामरेड आत्मा सिंह, जिला महासचिव कामरेड शेर सिंह शाक्य और जिला कोषाध्यक्ष कामरेड बहादुर सिंह चौहान मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मिड डे मील वर्करों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने वर्करों के न्यूनतम वेतन, नियमितीकरण, सामाजिक सुरक्षा और कामकाजी परिस्थितियों को बेहतर बनाने की मांग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मिड डे मील वर्कर देश की शिक्षा और पोषण योजनाओं की रीढ़ हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें बेहद कम वेतन और सुविधाएं दी जाती हैं। बैठक में संगठन को मजबूत करने और वर्करों के अधिकारों के लिए तीखा संघर्ष करने की रणनीति बनाई गई। इस क्रम में संयोजक मंडल का गठन किया गया। पुष्पा देवी (चक ज्वाला सिंह वाला) को संयोजक और सरिता सोनी को सह संयोजक नियुक्त किया गया। बैठक में सगीता देवी, पुष्पा देवी, रितू देवी, सुमन, सीता देवी, प्रकाश कौर, जसवीर कौर, मरियम बेगम, जसपाल कौर और नेवल विधा देवी सहित कई सदस्य उपस्थित रहीं।

नव नियुक्त थाना प्रभारी लेघा को फुलों का गुलदस्ता भेंट

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कर्मचारी संघर्ष समिति की अध्यक्ष रेखा घुसर, उपाध्यक्ष माया देवी, उपाध्यक्ष सोनू देवी, उपाध्यक्ष लक्ष्मी देवी के नेतृत्व में नव नियुक्त सूरतगढ़ सदर थाना प्रभारी रामकुमार लेघा को फुलों का गुलदस्ता भेंट कर मिठाई खिलाकर भव्य स्वागत किया। इस मौके पर अखिल भारतीय सफाई मजदूर कर्मचारी संघर्ष समिति की अध्यक्ष रेखा घुसर ने कहा जिस तरीके से सुरतगढ़ शहर प्रभारी रहते हुए कार्य किए थे, शहर के इलाका के लोगों को याद है, आपके रहते जुर्म व नशा काफी खत्म हुआ था उसी तर्ज पर नवनियुक्त सुरतगढ़ सदर थाना प्रभारी रामकुमार लेघा कार्य करेंगे हम उम्मीद करते हैं संघर्ष समिति के कार्यकर्ता कर्मचारी संघ द्वारा आपकी लंबी उम्र आगे बढ़े यही आशा करती है इस मौके पर अखिल भारतीय सफाई मजदूर कर्मचारी संघर्ष समिति की अध्यक्ष रेखा घुसर, उपाध्यक्ष माया देवी, उपाध्यक्ष सोनू देवी, उपाध्यक्ष लक्ष्मी देवी, सुमन देवी, राजकुमारी भाटिया, निशा, महेंद्र भाटिया, गोपाल धारीवाल, अंश घुसर आदि कर्मचारी मौजूद थे।

11वीं राजस्थान स्टेट मुएथाई चैम्पियनशिप में श्रीगंगानगर के खिलाड़ियों ने लहराया परचम

72 पदकों के साथ प्रथम स्थान हासिल किया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। राजस्थान मुएथाई एसोसिएशन तथा श्रीगंगानगर मुएथाई एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में 11वीं राजस्थान स्टेट मुएथाई चैम्पियनशिप-2025 श्रीगंगानगर के निकटवर्ती कालियां स्थित द नोबेल स्कॉलर अकादमी में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। श्रीगंगानगर मुएथाई एसोसिएशन के महासचिव साहिल कारगवाल ने बताया कि इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में पूरे राजस्थान से लगभग 250 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में श्रीगंगानगर के खिलाड़ियों ने अपना परचम लहराते हुए 72 पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में जयपुर की टीम ने दूसरा तथा जालौर की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि एडीजी भवानी सिंह राठौड़ व सीओ 48 बीएन बटालियन बीएसएफ श्रीगंगानगर, अति विशिष्ट अतिथि सूरतगढ़ विधायक डूंगरराम गेदर, कार्यक्रम अध्यक्ष द नोबेल स्कॉलर एकेडमी व पूर्व बीएसएफ

ऑफिसर रामकुमार रोज, इंडियन मार्शल आर्ट्स हब डायरेक्टर राजेंद्र कुमार सैन, विशिष्ट अतिथि पीडब्ल्यूडी के असिस्टेंट इंजीनियर नीतेश बुडानिया, श्रीबालाजी मल्टीकॉम के प्रबंध निदेशक नरेन्द्र चांगिया तथा विद्यालय प्रधानाचार्य राधेश्याम स्वामी द्वारा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

राजस्थान पटवार संघ का धरना, 9 सूत्री मांगों को लेकर आंदोलन जारी

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। राजस्थान पटवार संघ का धरना सोमवार को आठवे दिन भी जारी रहा, जिसमें पटवारियों और कानूनगों ने अपनी 9 सूत्री मांगों को लेकर आंदोलन तेज कर दिया। पटवारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में रैली निकाली और कलैक्ट्रैट के समक्ष धरना दिया। इस आंदोलन की अगली कड़ी में कानूनगों संघ ने भी अपनी समर्थन में कार्य बहिष्कार शुरू किया और आंदोलन में पूरी तरह से भाग लिया। पटवार संघ जिलाध्यक्ष अमर सिंह दहिया, तहसील अध्यक्ष अनिल सहू और कानूनगों संघ जिलाध्यक्ष चन्द्रभान ज्याणी के नेतृत्व में पटवारियों और कानूनगों ने एकजुट होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पटवारियों का कहना था कि उनकी 9 सूत्री मांगों को लेकर राज्य सरकार की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं, जिससे उनकी समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। धरने के दौरान पटवारियों ने कई मुद्दों पर सरकार से तत्काल समाधान की मांग की। पटवारियों का आरोप है कि उनकी मेहनत और कार्यभार के बावजूद उन्हें उचित वेतन और सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। इसके अलावा, उनकी पदोन्नति और अन्य अधिकारों को लेकर भी लगातार उपेक्षा की जा रही है। पटवार संघ ने अपनी प्रमुख मांगों में वेतन वृद्धि, पदोन्नति की प्रक्रिया को सरल बनाने, कार्यभार में वृद्धि के अनुसार अतिरिक्त सुविधाओं की मांग की। कानूनगों संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्रभान ज्याणी ने कहा कि कानूनगों और पटवारियों के कार्य में समानता होनी चाहिए और दोनों के लिए समान अधिकार और वेतन मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि कानूनगों संघ पटवारियों की मांगों के समर्थन में है और उनके आंदोलन में पूरा सहयोग करेगा।

मारवाड़ी युवा मंच की आमसभा सम्पन्न

सर्वसम्मति से गौरव बिहाणी अध्यक्ष चुने गए

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। मारवाड़ी युवा मंच, मुख्य शाखा श्रीगंगानगर की आमसभा गोल बाजार स्थित होटल में आयोजित की गई। सचिव हिमांशु अग्रवाल ने वर्तमान सत्र में आयोजित गतिविधियों तथा आगामी कार्यक्रमों से अवगत करवाया। आमसभा में चुनाव अधिकारी पूर्ण घोड़ेला एडवोकेट व मदन सिंगल द्वारा आगामी सत्र के लिए अध्यक्ष चुनाव की प्रक्रिया को प्रारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम में नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश जैन वीडियो कान्फ्रेंस द्वारा आमसभा में शामिल हुए। अध्यक्ष विविध बिहाणी सहित समस्त पदाधिकारियों व सदस्यों ने उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर खुशी का इजहार करते हुए शुभकामनाएं दी। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश जैन की वर्चुअल मौजूदगी में सर्वसम्मति से सत्र 2025-26 के लिए गौरव बिहाणी को अध्यक्ष चुना गया। इस पर वर्तमान अध्यक्ष विविध बिहाणी, वरिष्ठ सदस्य वेदप्रकाश लखोटिया, गौरव मित्तल, राकेश गोयल 'रिंकू', अंकुर अग्रवाल, दीपक जैन एडवोकेट, राकेश गोयल मास्टरजी सहित पदाधिकारियों व सदस्यों ने उन्हें साफा तथा फूलमाला पहनाकर अभिनंदन-सम्मान किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष गौरव बिहाणी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश जैन सहित मारवाड़ी युवा मंच के समस्त पदाधिकारियों व सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए सभी को साथ लेकर संगठन हित में कार्य करने तथा सामाजिक सरोकारों व सांस्कृतिक गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। गौरतलब है कि मारवाड़ी युवा मंच द्वारा सामाजिक सेवा कार्यों में बढ़-चढ?र भाग लिया जा रहा है तथा अनेक गण्यमान्य व प्रतिष्ठित व्यक्ति संस्था से जुड़े हुए हैं। इस अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

साइबर जागरूकता सेमिनार का सफल आयोजन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार साइबर शिल्ड अभियान के तहत आरसेटी (ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान) में साइबर जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को डिजिटल दुनिया में बढ़ते साइबर अपराधों से सुरक्षित रहने के लिए जागरूक करना था।सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में पुलिस विभाग के अभियान प्रोग्रामर रिकंल गर्ग और हैड कांस्टेबल चिरजीलाल शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरसेटी की निदेशक बिंदु शंकर ने की। इस अवसर पर सेमिनार में बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के पुरुषों और महिलाओं ने भाग लिया। मुख्य वक्ता रिकंल गर्ग ने प्रतिभागियों को डिजिटल अपराधों और उनसे बचने के तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने ÷एपीके फाइल स्कैम÷, ÷डिजिटल एरेस्ट÷ और ÷फेक फोन कॉल्स÷ जैसे साइबर अपराधों की गहराई से जानकारी दी। गर्ग ने प्रतिभागियों को समझाया कि कैसे फर्जी ऐप्स और लिंक के जरिए धोखाधड़ी की जाती है और इनके जाल में फंसने से कैसे बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध की घटना होने पर तुरंत कार्रवाई करना आवश्यक है और इसके लिए सरकार द्वारा जारी टोलफ्री नंबर 1930 पर तुरंत शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है। हैड कांस्टेबल चिरजीलाल शर्मा ने साइबर अपराधियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले आधुनिक तरीकों के बारे में बताया और प्रतिभागियों को सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि मोबाइल और इंटरनेट का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतना क्यों जरूरी है।

महर्षि दयानंद की जयंती के उपलक्ष्य में शतरंज प्रतियोगिता आयोजित

विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया सम्मानित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। आर्य समाज, श्रीगंगानगर द्वारा महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के उपलक्ष्य में शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महर्षि दयानंद खेलकूद (स्पोर्ट्स) समिति अध्यक्ष अजय चड्ढा ने बताया कि स्वामी दयानंद मार्ग स्थित आर्य समाज भवन में आयोजित इस प्रतियोगिता का शुभारम्भ वैदिक यज्ञ से किया गया। यज्ञ के ब्रह्मा नागेन्द्र शास्त्री तथा विक्रांत शास्त्री रहे। सर्वप्रथम अजय चड्ढा ने खिलाडि?ों का परिचय करवाया तथा शतरंज प्रतियोगिता के सामान्य दिशा-निर्देश व नियमों की जानकारी दी। इस प्रतियोगिता के लिए विशेष रूप से सूरतगढ़ से पधारे ऑर्बिटर संजीव भारद्वाज व इन्द्रमोहन जुनेजा तथा रायसिंहनगर से पधारे निखिलजी का आर्य समाज प्रधान रतन भटनागर ने अभिनंदन किया। मंत्री रवि वर्मा तथा कोषाध्यक्ष धर्मेन्द्र भाटिया ने खिलाडि?ों को जीवन में राष्ट्र के प्रति, आपस में भातृत्व की भावना का विकास तथा नशा मुक्त भारत का संकल्प दिलाया। शतरंज प्रतियोगिता में श्रीगंगानगर जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से 69 शतरंज खिलाडि?ों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समापन समारोह में अध्यक्ष रतन भटनागर, खेल समिति अध्यक्ष अजय चड्ढा, दीपक सेठी, धर्मेन्द्र भाटिया, अनिता चड्ढा, राज सक्सेना, शकुंतला भाटिया, आयुषी चड्ढा व खुशी चड्ढा आदि ने शतरंज प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में प्रथम विजेता गौरव गगनेजा को 2100 रूपये व स्मृति चिन्ह, द्वितीय विजेता सूरज प्रकाश को 1500 रूपये व स्मृति चिन्ह एवं तृतीय विजेता गजानन्द को 1100 रूपये व स्मृति चिन्ह, गर्ल्स वर्ग में विजेता नंदिनी सिंह को 2100 रूपये व स्मृति चिन्ह, अण्डर-15 आयु वर्ग में विजेता चिराग को 2100 रूपये व स्मृति चिन्ह, अण्डर-11 आयु वर्ग में विजेता रिद्धिमा को 2100 रूपये व स्मृति चिन्ह तथा अण्डर-9 आयु वर्ग में विजेता ओजस टांटिया को 2100 रूपये व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर देवेन्द्र सिंह, दीपक धमीजा, आनन्द धवन, संतराम कुलचानियां, शान्ति स्वरूप गुप्ता, पूर्व कोषाध्यक्ष सुधीर, डॉ. गोपाल, डॉ. अरविन्द वर्मा, कल्पना वर्मा, अथर्व चड्ढा, मनोज शर्मा, भीमराज ढुंढाड़ा, प्रेम भाटिया, अजय गौड़ सहित आर्य समाज पदाधिकारी, सदस्य एवं खेलप्रेमी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में प्रधान रतन भटनागर ने आर्य समाज के नियमों से परिचित कराते हुए कहा कि आर्य समाज का मुख्य उद्देश्य शारीरिक, सामाजिक व आत्मिक उत्थान करना है तथा शतरंज आदि खेलकूद प्रतियोगिताओं से मानसिक उन्नति सहित व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। अजय चड्ढा ने सफल आयोजन के लिए सबका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ से किया।

आज शाम होगी दुर्लभ खगोलीय घटना: 6 ग्रह आएंगे 1 कतार में

मंगल, जुपिटर, शुक्र और शनि आंखों से देख सकेंगे

जनमार्ग न्यूज

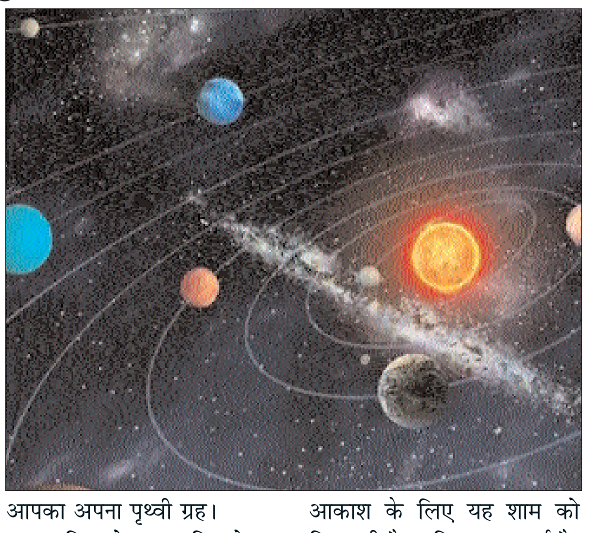

भोपाल। आज (मंगलवार 21 जनवरी) की शाम बेहद खास होने जा रही है। सूर्यास्त के बाद आकाश में पूर्व से पश्चिम तक सौरमंडल के 6 ग्रह एक कतार में रहेंगे। खगौल विद् सारिका घारू ने बताया कि पूर्वी आकाश में जहां मंगल (मार्स) होगा तो सिर के लगभग ऊपर बृहस्पति (जुपिटर) और यूरेनस होंगे।

वहीं पश्चिमी आकाश में नेप्च्यून, शुक्र (वीनस) और शनि (सेटर्न) होंगें। ग्रहों की कतार के नजारे में आप खाली आंखों से मंगल, बृहस्पति, शुक्र और शनि को तो देख पाएंगे। यूरेनस और नेप्च्यून को देखने के लिए टेलिस्कोप की मदद लेनी होगी ।

सारिका ने बताया कि सौरमंडल के पहले ग्रह बुध की इस समय कमी रहेगी। इस कमी को आने वाले फरवरी माह में पूरी कर पाएंगे, जब आप सभी ग्रहों को एक साथ देख सकेंगे और अगर आप सौर परिवार के तीसरे ग्रह को देखना चाहते हैं तो उसे देखने के लिए ऊपर नहीं आपके कदमों में देखना होगा, और वह है आपका अपना पृथ्वी ग्रह।

सारिका ने बताया कि सोशल मीडिया में इस घटना को बढ़ा - चढ़ा कर बताया जाता है। ग्रहों की परेड आम तौर हर कुछ साल में होती रहती है। लेकिन इनका समय बदलता रहता है। भारत के आकाश के लिए यह शाम को दिख रही है इसलिए महत्वपूर्ण है। इसमें भी ग्रह आपस में सट नहीं जायेंगे बल्कि 180 डिग्री के आकाश में एक कतार में रहेंगे । यह इन ग्रहों को पहचानने और जानने का मौका रहता है।

200 पशुओं को डिवर्मिंग तथा 20 नकारा सांडों का बंधियाकरण

जनमार्ग न्यूज

चूनावढ़। जयको श्रीकृष्ण गौशाला–चूनावढ़ कोठी में पशु कल्याण पखवाड़ा मनाया गया। इस पखवाड़े के तहत लगभग 200 पशुओं को डिवर्मिंग तथा 20 नकारा सांडों का बंधियाकरण किया गया। इस पखवाड़े में डॉ. ईश्वर भारती एसवीओ, अरविंद सहारण, अमनदीप, राजेन्द्र वर्मा, प्रेम, शक्ति नागर व गौशाला प्रबंधक नारायण सिंह, बेगराज, मांगीलाल तथा राकेश उपस्थित रहे।

नीवान गोदारा ने ओपन रोलर स्केटिंग में चमकाया जिले का नाम

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। जिले के बाल खिलाड़ियों ने एक बार फिर खेल जगत में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। जिले के नीवान गोदारा ने पदमपुर में आयोजित ओपन रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 स्वर्ण और 1 रजत पदक अपने नाम किए।नीवान ने 500 मीटर रेस और मैराथन दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी स्केटिंग कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसके साथ ही, उन्होंने 1000 मीटर रेस में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। इस चैंपियनशिप में नीवान गोदारा ने अपनी गति, संतुलन और खेल कौशल से सभी को प्रभावित किया। चैंपियनशिप के समापन समारोह में विधायक रूपिंदर सिंह ने निवान गोदारा को उनकी सफलता पर सम्मानित किया।

श्री राम शरणाम आश्रम में स्थापना दिवस मनाया

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। श्री राम शरणाम आश्रम हनुमानगढ़ टाउन में 22 वां स्थापना दिवस बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया । स्थापना दिवस पर 31 घंटे का अखंड राम नाम जाप की पावन आहुतियां अमृतवाणी पाठ के दौरान हुई, जिसमें नगर के सैकड़ो नर नारियों ने भाग लिया । कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पंजाब प्रदेश भाजपा महासचिव एवं पेट्रोलियम मंत्रालय (भारत सरकार) की डायरेक्टर (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती मोना जयसवाल सिमरन कक्ष से अखंड ज्योति आश्रम के हाल से राम दरबार में लेकर आई, उनके साथ अनूपगढ़ नगर परिषद अध्यक्ष व लोकसभा गंगानगर की प्रत्याशी श्रीमती प्रियंका बेलान, हनुमानगढ़ नगर परिषद के पूर्व सभापति श्रीमती संतोष बंसल, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती सुमन चावला एवं श्रीमती प्रियंका माहेश्वरी मौजूद रहे । सत्संग के दौरान चल रहे राम नाम अखंड जाप की पूर्ण आहुति सैकड़ो नर नारियों ने मंत्र जाप करके की, पूर्ण आहुति के समापन पर श्रीराम शरणम आश्रम प्रभारी अनिल गुंबर ने सबके भले की प्रार्थना की । कार्यक्रम में नारी शक्ति की विशेष भूमिका देखने को मिली, सभी अतिथियों का स्वागत भी आश्रम की महिलाओं द्वारा बड़ी गर्मजोशी के साथ किया गया । इस मौके पर स्थानीय विधायक गणेश राज बंसल ने मुख्य अतिथि श्रीमती मोना जयसवाल को शाल ओठाकर और श्री राम शरणाम आश्रम के प्रभारी अनिल गुम्बर ने राजस्थानी ओढ़नी पहनाकर स्वागत किया । श्री राम शरणाम के अनिल कुमार ने इस भव्य कार्यक्रम के आयोजन के लिए सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया । समापन के उपरांत श्रीमती मोना जयसवाल अनिल गुम्बर के निवास पर रात्रि भोज करके पंजाब के लिए रवाना हुई ।

राजकीय अस्पताल के चिकित्सकों का मां आथ आश्रम फाउंडेशन द्वारा सम्मान

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। सोमवार को हनुमानगढ़ जंक्शन रिले केन्द्र के पास स्थित राजकीय अस्पताल में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों और अस्पताल स्टॉफ को सम्मानित किया गया। यह आयोजन मां आथ आश्रम फाउंडेशन द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अर्न्तराष्ट्रीय वैश्य महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष तरूण विजय, पार्षद प्रतिनिधि मनोज बड़सीवाल और समाजसेवी विकास भारतीय मौजूद थे। समारोह की अध्यक्षता संस्था निदेशक आकाश नायक ने की। समारोह में अस्पताल के 12 चिकित्सकों और अन्य स्टॉफ सदस्यो को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित किए गए व्यक्तियों में डॉक्टर इंदर सैन झाझरा, डॉक्टर अनुपमा, नर्सिंग स्टाफ सुमिंदर कौर, ममता, गुरमीत कौर, सरोज, सरिता, कंप्यूटर ऑपरेटर गुरलाल सिंह, सहायक और स्वच्छता सैनिक अनीता, इंद्रा, मुकेश आदि का नाम शामिल था। इन सभी को उनके योगदान के लिए प्रशंसा पत्र और सम्मान चिह्न प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तरूण विजय ने कहा कि चिकित्सक समाज में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनकी सेवाएं सराहनीय होती हैं। उन्होंने इस सम्मान समारोह की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से चिकित्सकों को उनके योगदान के लिए प्रोत्साहन मिलता है और समाज में उनके कार्यों की अहमियत बढ़ती है।

एक करोड़ कैश के साथ पकड़ाया ट्रैक्टर शोरूम का मालिक

जनमार्ग न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में आचार संहिता लगते ही पुलिस अलर्ट मोड पर है। इसी बीच दुर्ग पुलिस ने ट्रैक्टर शोरूम संचालक की कार से 1 करोड़ रुपए कैश जब्त किया है। दस्तावेज नहीं दिखा पाने पर कैश को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के हवाले कर दिया गया है। घटना अंजोरा चौकी क्षेत्र की है। मिली जानकारी के मुताबिक, सोमवार शाम से लगातार पुलिस गाड़ियों की चेकिंग कर रही है। इसी दौरान राजनांदगांव से दुर्ग जिले में आने वाली सभी गाड़ियों की तलाशी की जा रही थी, तभी रात 8 बजे एक संदिग्ध कार दिखी, जिसकी तलाशी ली गई।

चक 5 ई एवं 7 ई छोटी इलाके को नगर परिषद का वार्ड घोषित करने की मांग

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। नगर परिषद में शामिल करो सघर्ष समिति चक 5 ई एवं 7 ई छोटी के संयोजक एडवोकेट के नेतृत्व में नगर परिषद आयुक्त एवं एसडीएम रणजीत कुमार से एक शिष्टमंडल ने मिलकर राज्य सरकार का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रशासन द्वारा भेजे गये प्रस्ताव का स्वागत कर ईलाके को शीघ्र ही नगर परिषद में शामिल कर नगर परिषद का वार्ड घोषित करने की मांग की है। श्रीगंगानगर शहर से चिपती हुई ग्राम पंचायत 4 एम.एल. के राजस्व ग्राम चक 7 ई.छोटी की कषि भूमि पर बसी कॉलोनीयॉं शिव कॉलोनी,मुरारी कालौनी,पंचवटी सैकिण्ड,अग्रवाल कॉलोनी,वैशाली नगर सहित 2दर्जन से अधिक तथा ग्राम पंचायत 5 ई.छोटी के राजस्व ग्राम 5 ई.छोटी, 6 ई.छोटी,1 ए छोटी की रामदेव कॉलोनी,हनुमान नगर , सुदामानगर,सिद्वार्थ कॉलोनी वकील कॉलोनी,कैलाश पुरी सहित अनेक कॉलोनीयॉं ऐसी विकसित कॉलोनियॉं है जो वर्ष2011की जनगणना से पूर्व ही आबाद है वर्ष2014मे जब नगर परिषद के वार्डो की लॉटरी निकालते समय भी इन कॉलोनियों के जागरूक नागरिकों के शिष्टमंडल ने जिला प्रशासन से मिलकर इन कॉलोनियों को शहर में शामिल करने की मांग की थी लेकिन कोई सुनवाई नही हुई जबकि उस समय शहरी सीमा के नजदीक कृषि भूमि पर बसी इन कॉलोनियों की जनगणना को शहर में शामिल मानकर ही लॉटरी निकाली गई थी लेकिन उक्त ऐरिया ग्राम पंचायत 5ई.छोटी एवं चक 4एम.एल. के क्षेत्राधिकार में होने के कारण यहां के वासिन्दों को आवासीय पटटे ग्राम पंचायत से जारी नही किये जाकर यूआईटी से ही जारी किये जाते रहे है तथा नगर विकास न्यास द्वारा ही विकास शुल्क तथा उपकर आदि लिया जाता रहा है इतना ही नही इन कॉलोनियों के बिजली-पानी के बिल भी ग्रामीण दर से न होकर शहरी दर से दिये जाते रहे है ज्ञात रहे कि साख्यिकी विभाग से जारी वर्ष 2011 के आंक? अनुसार इन कॉलोनियों की जनगणना करते समय यहां की जनता को शहरी जनसख्या मे दर्शाते हुए चक 7 ई.छोटी की कॉलोनियों को सम्भावित वार्ड नं0-54;7ई.ओजी तथा चक 5 ई.छोटी की कॉलोनियों को सम्भावित वार्ड नं-52; 5ई. ओजीमें शामिल किया गया था लेकिन वर्ष2014में केवल नगर परिषद के वार्डो की संख्या ही बढाई गई थी लेकिन वार्डो में वृद्वि नही होने के कारण नगर परिषद गंगानगर में शामिल नही किया जा सका वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा स्वायत शासन विभाग के निर्देशानुसार नगर परिषद सीमा का विस्तार करने के लिए प्रस्ताव मांगा गया तो इन कृषि भूमि पर बसी हुई कॉलोनियों के जागरूक नागरिकों ने राज्य सरकार के प्रस्ताव का स्वागत करते हुए जगह-2बैठक बुलाकर ईलाके को नगर परिषदश्रीगंगानगर में शामिल कर वार्ड घोषित करवाने की प्रशासन से मांग की जिससे इन कॉलोनियों मे बसे हुए नागरिकों को जल्द ही सड? नाली एवं सफाई व्यवस्था की अनेक मूलभूत सुविधाए सुल्भ हो सके। इस शिष्टमंडल में समिति उप संयोजक गुरजंट सिंह खोखर,कमेटी मेम्बर एड. रवि यादव,हेतराम घोड़ेला,मुकेश कुमार ,बलराम भुवाल ,जयनारायण तथा राजेन्द्र पूनिया सहित अनेक जागरूक नागरिक शामिल हुए।

पशु चारा व्यापारियों की बैठक, निजी मण्डियों के शोषण पर चर्चा

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के व्यापारियों की एक संयुक्त बैठक सोमवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य पशु चारा के व्यापार में हो रहे शोषण और इससे संबंधित समस्याओं का समाधान ढूंढना था। इस बैठक में व्यापारियों ने निजी मण्डियों के माध्यम से हो रहे व्यापारियों के शोषण पर गहरी चिंता जताई और इसके खिलाफ आगामी रणनीति तैयार की।

बैठक में शामिल व्यापारियों ने बताया कि वे ट्रैक्टर-ट्रॉली, कैंटर और अन्य वाहनों के माध्यम से जयपुर पशु चारा ले जाने का कारोबार करते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से सरकारी मण्डी बंद होने के बाद से निजी मण्डियों का दबदबा बढ़ गया है। इन मण्डियों में व्यापारियों को अलग-अलग दरों पर चारा बेचा जाता है और कई बार उन्हें शोषण का सामना करना पड़ता है। व्यापारियों ने यह भी आरोप लगाया कि मण्डी के अधिकारियों और निजी माफिया के बीच मिलीभगत के चलते यह शोषण जारी है। व्यापारी असकर अली ने बताया कि चौमू मण्डी में एक समय सरकारी मण्डी हुआ करती थी, लेकिन 2017 में इसे बंद कर दिया गया। इसके बाद से वहां निजी मण्डियां संचालित होने लगीं, जहां व्यापारियों को मनमाने दरों पर चारा बेचा जाता है। असकर अली ने प्रशासन से कई बार अनुरोध किया था कि सरकारी मण्डी फिर से शुरू की जाए, लेकिन इसके बावजूद वहां के प्रशासन ने चुप्पी साध रखी है। उनका कहना था कि अब प्रशासन और माफिया की मिलीभगत के कारण निजी मण्डियां फिर से चल रही हैं, जिससे व्यापारियों की स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। व्यापारियों का आरोप है कि इन मण्डियों में अलग-अलग रेट पर चारा बेचा जाता है। जब वाहन मण्डी में प्रवेश करते हैं, तो उन्हें अलग-अलग टालों पर भेज दिया जाता है, जिससे प्रत्येक वाहन से 20 से 30 रुपए कम कर लिए जाते हैं। इसके बाद, व्यापारियों से 'काटा' लगाया जाता है। व्यापारियों के लिए यह स्थिति अत्यंत परेशानियों का कारण बन चुकी है, क्योंकि इस शोषण के चलते उनका कारोबार धीरे-धीरे समाप्त होने की कगार पर पहुंच चुका है। तरसेम सिंह ने बताया कि राजस्थान के चौमू में पहले सरकारी मण्डी थी, लेकिन 2017 में इसे बंद कर दिया गया।

गुरुद्वारा धन धन भाई मंझ जी का सालाना समागम 9 को

श्री अखंड पाठ साहिब की लड़ियों का आरंभ

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। पदमपुर रोड अमृत विहार कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा धन-धन भाई मंझ का सालाना समागम आगामी 9 फरवरी, रविवार को बड़ी श्रद्धा भाव से मनाया जाएगा। इस अवसर पर गुरुद्वारा साहिब से 7 फरवरी शुक्रवार को नगर कीर्तन निकाला जाएगा। गुरुद्वारा के मुख्य सेवादार नौनिहाल सिंह ने बताया कि सालाना समागम के तहत आयोजित कार्यक्रमों में 14 जनवरी, मंगलवार से 13 श्री अखंड पाठ साहिब की लड़ी शुरू की गई है। इसी क्रम में 2 फरवरी, रविवार प्रातः 9 बजे से सांय 4 बजे तक संगत द्वारा सामूहिक रूप से 13 सेंची साहिब के लड़ीवार जाप, श्री सुखमनी साहिब, जपुजी साहिब, चौपाई साहिब, मूलमंत्र व गुरुमंत्र जाप किए जाएंगे तथा एक से छः फरवरी तक रोजाना सायं 7 बजे से रात 9ः30 बजे तक महान वाहेगुरु सिमरन समागम का आयोजन किया जाएगा। आठ फरवरी, शनिवार सायं 7 बजे से 9ः30 बजे तक कीर्तन दरबार सजाया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्य समागम के 9 फरवरी, रविवार सुबह 10.30 बजे श्री अखण्ड पाठ साहिब के भोग उपरांत प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक महान कीर्तन दरबार सजाया जाएगा। जिसमें पंथ प्रसिद्ध प्रचारक रागी जत्थे व कथावाचक गुरु जस महिमा का गुणगान करेंगे। सभी कार्यक्रमों के दौरान गुरु का अटूट लंगर बरताया जाएगा।

पीलीबंगा थाना क्षेत्र में लूटपाट और चोरियां

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा थाना क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से लूटपाट और चोरियों की वारदातें लगातार हो रही हैं। विगत दिवस रात्रि के समय एक गांव में चार मंदिरों में चोरियां हो गई जबकि सुबह सवेरे दूध बेचने जा रहे एक दोधी को भी तीन अज्ञात बदमाशों ने हमला कर लूट लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीलीबंगा थाना क्षेत्र के गांव भागसर में 19–20 जनवरी की एक ही परिसर में स्थित गोसाई मंदिर हनुमान मंदिर और शनि मंदिर के अलावा नजदीक ही गौशाला में बने हनुमान मंदिर में चोरी की घटनाएं हो गई।अज्ञात चोर मंदिरों में दान पात्रों को तोड़कर चढ़ावा राशि निकाल ले गए। पुलिस के मुताबिक गोसाई मंदिर, हनुमान मंदिर और शनि मंदिर के दान पात्रों में लगभग 7000 रुपए तथा गौशाला वाले हनुमान मंदिर के दान पत्र में लगभग 4700 की चढ़ावा राशि थी। घटना की जांच कर हवलदार राजकुमार सिहाग ने बताया कि अभी तक चोरों का कुछ पता नहीं चला है। गांव के निवासी सुरेश कुमार द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।उन्होंने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से चोरों का पता लगाने के प्रयास किया जा रहे हैं।इससे पहले पीलीबंगा के वार्ड नंबर 12 निवासी नरेश गोस्वामी से 16 जनवरी की सुबह लूट की वारदात हो गई। पुलिस के अनुसार नरेश गोस्वामी दूध बेचने का काम करता है। वह सुबह सवेरे मोटरसाइकिल पर दूध लेकर जा रहा था। पीलीबंगा गांव से दौलतांवाली रोड पर तीन अज्ञात बदमाशों ने लाठी डंडों से हमला कर उसे घायल कर दिया। उसे 35 हजार रुपए की रकम लूट कर फरार हो गए। नरेश गोस्वामी की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच कर रहे हवलदार संजय ने बताया कि अभी तक लुटेरों का कुछ पता नहीं चला।

श्रीगंगानगर, बुधवार, 22 जनवरी 2025

जनमार्ग

नकली करेंसी के मामले में सूरतगढ़ के दो युवक पुलिस की रडार पर

● नकली करंसी सहित काबू किये युवक से पूछताछ जारी

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। सूरतगढ़ में नकली करेंसी का एक बार फिर मामला खुलने पर पुलिस के रिडार पर दो और युवक आ गए हैं।निखिल कटारिया और दीपक आचार्य नामक दो युवकों की नकली नोटों के मामले में संदिग्ध भूमिका पाई गई है।पुलिस दोनों युवकों के बारे में तमाम जानकारियां जुटाना में लगी हैं। वहीं इन पर गोपनीय रूप से नजर भी रखी जा रही है। सूत्रों ने संभावना व्यक्त की है कि इन दोनों युवकों को भी शीघ्र पकड़ लिया जाएगा। कल 38 हजार की नकली करेंसी सहित पकड़े गए राहुल मेघवाल (27) निवासी मानकसर से कड़ी पूछताछ चल रही है।उसके खिलाफ नकली करेंसी के नोडल पुलिस थाना स्थानीय कोतवाली में कल देर शाम को मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस

सूत्रों के अनुसार राहुल मेघवाल ने पूछताछ में बताया है कि वह नकली नोट सूरतगढ़ में छोटा गुरुद्वारा के समीप रहने वाले निखिल कटारिया तथा चूना रोड निवासी दीपक आचार्य से लेकर आया करता था। राहुल मेघवाल के कब्जे से पुलिस ने 2-2 सौ रुपए के कल 190 नकली नोट बरामद किए थे। यह नोट अलग-अलग सीरीज नंबर के हैं। सूत्रों ने बताया कि राहुल पिछले कई दिनों से सूरतगढ़ के बाजारों में फुटकर खरीदारी नकली नोटों से कर रहा था।इसी कारण वह संदेह के घेरे में आया और पुलिस ने उसे कल सोमवार को भोजेवाला गांव की रोही में पकड़ लिया। निकटवर्ती गांव मानकसर निवासी राहुल की 7-8 महीने पहले शादी हुई है। स्नातक शिक्षित राहुल कुछ समय से सूरतगढ़ में ही एक कोचिंग संस्थान से एसएससी की तैयारी कर रहा है। यह भी खुलासा हुआ है कि राहुल के रहन-सहन में बीते कुछ दिनों में बड़ी तब्दीली आ गई थी।वह काफी ऐशो आराम से रहने लगा था।वहीं ब्रांडेड वस्तुओं का भी शौकीन हो गया था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक निखिल कटारिया और दीपक आचार्य के पकड़ में आने पर खुलासा होगा कि नकली नोट कहां तैयार किया जा रहे थे।

युवती ने लगाया दुष्कर्म का आरोप, मामला दर्ज

जनमार्ग न्यूज।

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा थाना में एक युवती द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर एक व्यक्ति पर रात्रि के समय घर में आकर उससे दुष्कर्म करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार पीड़िता ने बताया है कि 16 जनवरी की रात को उसका पति कहीं बाहर गया हुआ था। वह घर में अपने कमरे में बच्चों के साथ सो रही थी। साथ वाले कमरे में उसकी सास वह परिवार के अन्य लोग सोए हुए थे।रात्रि लगभग 9 बजे फौजी भाट उसके कमरे में आया और जबरदस्ती दुष्कर्म करने लगा। जब उसने शोर मचाया तो वह भाग गया।

युवक मेला में नोजगे के बच्चों ने जीते पदक

● नोजगे के विजेता विद्यार्थी को किया सम्मानित

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। गुरु रामदास कॉन्वेंट स्कूल (एसजीएनआर) में युवक मेला का आयोजन किया गया। इस मेले में जिलेभर के विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया। इस दौरान हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं में नोज़गे पब्लिक स्कूल के बच्चों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार जीते। स्कूल स्टाफ़ चरणजीत कौर ने बताया कि प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में जसलीन कौर बराड़ (9जी) व जैसलीन मक्कड़ (9जी) ने दूसरा स्थान, निबंध लेखन प्रतियोगिता (अंग्रेजी निबंध वरिष्ठ) में मिठास (12आर) ने दूसरा स्थान, हिंदी निबंध (जूनियर) में मनप्रीत सिंह (8वी) ने प्रथम स्थान, सुलेख (जूनियर) हिन्दी में नेहल (8वी) ने प्रथम स्थान, पंजाबी में सांची सिडाना (8वी) ने प्रथम स्थान, दिव्यांशी ओझा (11एच) ने सुलेख प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, पोस्टर मेकिंग (जूनियर) में दूसरा स्थान, दस्तार बंधी में पवलप्रीत (11 एन) ने तीसरा स्थान, कविता (जूनियर) में दिलनाज़ कौर (5डब्ल्यू) ने पहला स्थान हासिल किया। कविश्री प्रतियोगिता में रमनप्रीत सिंह (9आई), गिरीश (8 एस), नंदीश अरोड़ा (8आर), दुर्जय (8 एस) ने दूसरा स्थान, पोस्टर मेकिंग (सीनियर) में आदित्य निमिवाल (11यू), प्रियांशु सोनी (12यू) ने दूसरा स्थान, पोस्टर मेकिंग (यूनियर) में वंशिका अग्रवाल (8वी) ने पहला स्थान, पोस्टर मेकिंग (सीनियर) में दिव्यांशी ओझा (11एच) ने दूसरा स्थान, तन्वी (11 एच) ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इन सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को स्कूल प्रबंधन व स्टाफ़ ने बधाई दी। इन विजेता बच्चों को प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया।

मोबाइल टावरों से लाखों रूपए के उपकरण चोरी

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। हनुमानगढ़ जिले में मोबाइल टावरों के उपकरण चोरी होने का सिलसिला निरंतर जारी है। तीन और मोबाइल टावरों से उपकरण चोरी होने के मामले सामने आए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोगामेड़ी थाना क्षेत्र में गोगामेड़ी गांव के नजदीक ही लगे रिलायंस कंपनी के टावर से 17-18 जनवरी की रात को अज्ञात व्यक्ति चार ओडीसी बैटरी केबल चोरी कर ले गया। इस संबंध में कंपनी के एक तकनीकी कर्मचारी प्रेम कुमार यादव (44) निवासी मन्नीवाली थाना सादुलशहर द्वारा दी गई रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज किया गया है। दूसरी घटना भादरा थाना क्षेत्र के गांव धौलपालिया में 19-20 जनवरी की रात को हुई। पुलिस के अनुसार अज्ञात व्यक्ति उक्त गांव में लगे जिओ कंपनी के टावर से केबल आदि उपकरण चोरी कर ले गए।इस संबंध में शेरसिंह धाणक (36) निवासी मुंसरी थाना गोगामेडी द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इस बीच पल्लू थाना क्षेत्र के गांव लखेरा में लगे टावर से भी उपकरण चोरी होने की घटना सामने आई है। जानकारी के मुताबिक लखेरा में 20 जनवरी को सुबह 5 बजे कोई अज्ञात व्यक्ति मोबाइल टावर की एसओपी का लॉक तोड़कर उसमें लगा बीटीएस उपकरण चोरी कर ले गया। इस संबंध में टावर कंपनी के एक कर्मचारी श्योदतराम द्वारा थाने में रिपोर्ट दी गई है लेकिन अभी मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है।

मंदिर में चोरी करते पकड़ा गया युवक

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। घमूडवाली थाना क्षेत्र के चक 11-ईईए में लोगों ने कल सोमवार दोपहर को मंदिर में चोरी करते हुए एक युवक को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए युवक निहालसिंह निवासी डूंगरसिंहपुरा थाना लालगढ़ जाटान के खिलाफ गांव के अरुण कुमार नामक व्यक्ति द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है।जांच कर रहे रिडमलसर पुलिस चौकी प्रभारी एएसआई सुरेशचंद ने बताया कि निहालसिंह कल सोमवार सुबह करीब 10.30 बजे चक 11-ईईए में बाबा खेत्रपाल के मंदिर में चला गया। वहां प्रतिमा पर लगा चांदी का छत्र चोरी करते हुए पकड़ा गया। निहालसिंह से पूछताछ की जा रही है। याद रहे की इसी महीने श्रीगंगानगर शहर में चार-पांच मंदिरों में चांदी के अनेक छात्र चोरी हुए हैं।

बंधी नहीं देने पर शराब ठेके की गाड़ी फूंकी

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। हनुमानगढ़ जिले के भादरा थाना क्षेत्र में एक शराब ठेकेदार द्वारा मासिक बंधी नहीं दिए जाने पर उसकी बोलेरो गाड़ी को आग लगा दी गई। पुलिस ने इस संबंध में शराब ठेके के सेल्समैन अमित जाट (24) निवासी जगरामबास थाना बाढडा जिला चरखी दादरी,हरियाणा द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर कुलदीप गोस्वामी और फौजी नमक व्यक्तियों के खिलाफ चोरी और आगजनी की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार अमित जाट ने रिपोर्ट देते हुए बताया है कि पिछले कई दिनों से कुलदीप गोस्वामी और फौजी द्वारा धमकी दी जा रही थी कि अगर 25 हजार रुपए मासिक बंधी नहीं दी गई तो उनका शराब ठेका नहीं चलने दिया जाएगा। वह परसों रविवार रात को शराब ठेका बंद करने के बाद गाड़ी लेकर कुछ ही दूरी पर शराब ठेकेदारों के कार्यालय में सोने के लिए आ गया। रात लगभग डेढ-दो बजे उक्त आरोपियों ने बाहर खड़ी गाड़ी के शीशे तोड़कर उसमें रखे पांच हजार रुपए तथा उसका आधार कार्ड आदि सामान चोरी कर लिया। फिर गाड़ी को आग लगा दी।

सांध्य दैनिक जनमार्ग व प्रातःकालीन जनमार्ग में अपडेट व ताजा खबरों के लिए देखें:-

Web:- www.janmarg.com

Youtube:- Janmarg News

गर्भवती युवती की इलाज के दौरान मृत्यु

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। हनुमानगढ़ जिले की निवासी एक गर्भवती युवती की इलाज के दौरान बीकानेर के एक अस्पताल में मृत्यु हो गई। भादरा थाना पुलिस के अनुसार सपना वाल्मीकि पत्नी दीपक वाल्मीकि निवासी भादरा गर्भवती थी और उसकी अचानक तबीयत खराब हो गई थी। उसे 15 जनवरी को अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। हालत नाजुक होने पर उसे बीकानेर रैफर कर दिया गया। बीकानेर में विगत दिवस उसकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। इस संबंध में उसके परिवार के सुंदरलाल जैदिया निवासी वार्ड नंबर 2 तालाब का मोहल्ला खेतड़ी, झुंझुनू द्वारा दी गई रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज की गई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाने के बाद लाश परिवार वालों के सुपुर्द कर दी।

भारी मात्रा में अवैध पोस्त सहित दो गिरफ्तार

घड़साना (जनमार्ग न्यूज)। श्रीगंगानगर जिले के नई मंडी घड़साना थाना क्षेत्र में पुलिस ने ऑपरेशन सीमा संकल्प के तहत भारी मात्रा में अवैध पोस्त सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। वही एक महिला को अवैध रूप से प्रतिबंध नशे के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले कैप्सूल रखने के आरोप में पकड़ा है। पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया की नई मंडी घड़साना के थाना प्रभारी की महावीरप्रसाद की टीम ने कल देर रात को गश्त के दौरान जितेंद्र (35) निवासी चक 19-जीडी को 900 ग्राम अवैध डोडा पोस्त सहित गिरफ्तार किया। इसके अलावा लक्ष्मीनारायण (30) निवासी चक 19-जीडी थाना नई मंडी घड़साना के कब्जे से 12 किलो 120 ग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद किया गया। इनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि एक अन्य कार्यवाही में एएसआई भोलू राम की टीम ने शीलाबाई (55) निवासी चक्र 24-एएस(सी) घडसाना को गिरफ्तार किया,जिसके कब्जे से प्रेगाबलीन के 410 कैप्सूल बरामद हुए।

पेड़ काटने से रोका तो वन कर्मियों को ठोका

जनमार्ग न्यूज।

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ जिले के संगरिया थाना क्षेत्र में कुछ व्यक्तियों ने नहर किनारे पेड़ काटने से रोकने पर वन कर्मियों से मारपीट कर डाली इन व्यक्तियों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार वन विभाग की टिब्बी रेंज में सहायक वनपाल अरविंद शर्मा (35) निवासी किशनपुरा दिखनादा द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर आरिफ और गिंदी, नूर नबी, मोहम्मद अली, नसीबुल्लाह उर्फ शिब्बू, भादर खान, निशा तथा 10-12 अन्य व्यक्तियों पर मारपीट करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच कर रहे एएसआई रोहताश कुमार ने बताया कि अरविंद तथा एक अन्य वन कर्मी 17 जनवरी को गांव कीकरवाली के नजदीक चक 9-एमएमके कि रोही में नहर किनारे गए थे, जहां उक्त लोग अवैध रूप से पेड़ों की कटाई कर रहे थे। अरविंद शर्मा और उसके साथी वन कर्मी ने इन लोगों को पेड़ काटने से मना किया तो वे मारपीट करने पर उतर आए।

बंद मकान में लाखों की चोरी का खुलासा, तीन काबू

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। जवाहरनगर के सेक्टर नंबर 8 में लगभग एक महीने से बंद मकान से लाखों रुपए मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण चुरा लिए जाने की घटना का सीसीटीवी फुटेज से खुलासा हुआ है। पुलिस ने दिनेश गोल्याण के मकान में चोरी करने के आप में हरप्रीतसिंह पुत्र गुरमुखसिंह निवासी चक 2-ई (छोटी), मोनू पुत्र पंकज निवासी रामलाल कॉलोनी और संदीप पुत्र पप्पूराम निवासी एसएसबी रोड को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हरप्रीतसिंह बहुत ही शातिर चोर है। वह पहले भी चोरी चकारी के मामलों में पकड़ा जाता रहा है। मोनू को पुलिस ने लगभग डेढ़ वर्ष पहले एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। वह काफी समय तक न्यायिक अभिरक्षा के तहत जेल में बंद रहा। वह कुछ दिन पहले ही जेल से बाहर आया है। संदीप के पिछले आपराधिक रिकॉर्ड का अभी पता नहीं चला।पुलिस सूत्रों के अनुसार तीनों नशा करने के आदी हैं। दिनेश गोल्याण 18 दिसंबर को जवाहरनगर के सेक्टर नंबर 8 में अपने मकान को बंद कर परिवार सहित अहमदाबाद चला गया था। उसका अहमदाबाद में भी कारोबार है। उसका बेटा बेंगलुरु में रहता है। दिनेश विगत 15 जनवरी को वापस आया तो घर में चोरी होने का पता चला। जानकारी के अनुसार चोर रोशनदान की जाली को काटकर घर में घुसे और करीब साढ़े सात तोला सोने के जेवरात तथा लगभग 20 किलो चांदी की वस्तुएं चुरा ले गए। इनमें लगभग 16 किलो चांदी के गहने हैं। इसके अलावा भी घर से कुछ कीमती वस्तुएं गायब मिलीं।

प्रेमी संग मिलकर अबोध बेटे की नहर में डुबोकर हत्या करने का आरोप

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। एक महिला पर अवैध संबंध के चलते प्रेमी संग मिलकर साढे तीन वर्ष के अबोध बेटे की नहर में डुबोकर हत्या करने का आरोप लगा है।महिला के पति द्वारा अदालत में दायर किए इस्तगासा के आधार पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया है। केसरीसिंहपुर पुलिस के मुताबिक गुरमेलसिंह बावरी निवासी चक 6 केडब्ल्यूएम कुम्हारावाला तहसील पूगल जिला बीकानेर द्वारा अदालत में दायर किए गए इस्तगासा के आधार पर उसकी पत्नी जमनादेवी बावरी निवासी चक 3-टी और जमनादेवी के प्रेमी नरेंद्रकुमार नायक निवासी चक 19-एफ जवालेवाला पर उसके साढ़े तीन वर्षीय बेटे गुरप्रीतसिंह की हत्या करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है।गुरमीतसिंह ने बताया कि जमनादेवी से 7 वर्ष पहले उसकी शादी हुई थी। उसके दो बच्चे गुरप्रीतसिंह और दिव्यांशी हुए। पिछले वर्ष 10 फरवरी को जमनादेवी उससे लड़ाई-झगड़ा कर बिना बताए अपने माता-पिता के घर चक 3-टी में आ गई। इस संबंध में उसने तीन-चार बार पंचायतें कीं लेकिन जमनादेवी

उसके साथ बसने के लिए नहीं आई क्योंकि उसके नरेंद्रकुमार से अवैध संबंध थे। दोनों पिछले वर्ष 28 मई को आपस में कागजी लिखा-पढी कर लिव इन रिलेशनशिप में रहने लगे। उसके बेटे गुरप्रीतसिंह को उन्होंने अपने पास रख लिया। विगत 26 अगस्त की सुबह लगभग 11 बजे उसे पता चला कि गुरप्रीतसिंह को नहर में फेंक कर हत्या कर दी गई है। गुरमेलसिंह का आरोप है कि जमनादेवी और नरेंद्रकुमार ने अवैध संबंधों के चलते उसके बेटे की हत्या कर दी क्योंकि दोनों पूर्व में ही उसकी हत्या कर देने की धमकियां देते थे। उसने गुरप्रीतसिंह को उक्त आरोपियों से बरामद करने के लिए पूगल में उपखंड अधिकारी के समक्ष सीआरपीसी की धारा 97 में और 98 के तहत प्रार्थना पत्र भी पेश किया था। गुरमेलसिंह के अनुसार गुरप्रीतसिंह को नहर में फेंक दिए जाने का पता चलने पर उसकी सास ने उक्त अभियुक्तों के विरुद्ध केसरीसिंहपुर थाना में रिपोर्ट दी थी लेकिन पुलिस ने ना मुकदमा दर्ज किया और ना ही कोई कार्यवाही की। पुलिस ने आरोपियों के साज-बाज कर तथ्यों को छुपा कर कहानी के आधार पर गुरप्रीतसिंह की मृत्यु के संबंध में मर्ग दर्ज कर ली।उसने 27 अगस्त को तत्कालीन थाना प्रभारी को प्रार्थना पत्र दिया लेकिन उसे पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। उसने 3 और 18 सितंबर को व्यक्तिगत रूप से थाने में उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र दिए। उन पर भी अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है।उसने बीकानेर पुलिस महानिरीक्षक के समक्ष भी 30 सितंबर को प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था। इस प्रार्थना पत्र के आधार पर भी कोई मामला दर्ज नहीं किया गया। इसके बाद उसने अदालत में इस्तगासा दायर किया। पुलिस ने बताया कि अब अदालत के आदेश पर धारा 103, 238(क) और 240 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

अज्ञात व्यक्ति रेलगाड़ी से गिरने के कारण गंभीर घायल

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर-अबोहर रेल सेक्शन पर हिंदूमलकोट थाना क्षेत्र के गांव खाट लबाना के नजदीक रेलवे पटरी के पास एक अज्ञात व्यक्ति चोटिल और बेहोशी की हालत में मिला है। पुलिस के अनुसार करीब 50 वर्षीय भगवा वस्त्रधारी यह व्यक्ति कल सोमवार सुबह लगभग 4 बजे खाट लबाना में रेल पटरी के नजदीक पड़ा मिला, जब रेलवे का एक कर्मचारी रेल पटरी को चेक करते हुए वहां पहुंचा। उसकी सूचना पर आपातकाल सेवा 108 की एंबुलेंस से उसे श्रीगंगानगर के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। गहरी चोट लगे होने के कारण वह बेहोश है। इस कारण उसकी पहचान नहीं हो पा रही। उसके पास पहचान लायक कुछ भी नहीं मिला। पुलिस ने कहा कि उसके होश में आने का इंतजार किया जा रहा है।

जस्टिस गर्ग ने किया कौशल विकास केंद्र का शुभारंभ

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। स्थानीय पदमपुर मार्ग पर कुंज विहार कॉलोनी में स्थित राजकीय संप्रेक्षण एवं किशोर न्याय समिति का जोधपुर हाईकोर्ट के जस्टिस मनोज कुमार गर्ग ने आज निरीक्षण किया। उन्होंने देखभाल एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चे एवं विधि से संघर्षरत बालकों के कौशल विकास हेतु खादी ग्रामोद्योग आयोग द्वारा प्रायोजित इलेक्ट्रीशियन एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बच्चों को रोजगार प्राप्त करने अवसर देगा। किशोर न्याय बोर्ड के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जस्टिस मनोज कुमार गर्ग ने किशोर न्याय बोर्ड में लंबित प्रकरणों का तुरंत निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस मनोज कुमार गर्ग ने आवासित बालकों को मेडिटेशन एवं शिक्षा एवं अनुशासित जीवन शैली जीने के प्रेरित किया। इसके साथ नियमित योगा अभ्यास करने एवं नशों से दूर रहकर नैतिक गुणों के विकास हेतू प्रेरित किया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी हरीसिंह मेहरा द्वारा राहुल ऑफसैट प्रिन्टर्स गुलजार भवन, 47 गणेश विहार द्वितीय, जस्सा सिंह मार्ग के पास श्रीगंगानगर 335001 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : हरीसिंह मेहरा, 94140-87692, फैक्स : 0154-2970692